हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

वीआईपी रोड पर इतना पानी कि सड़क पर कार तैरती नजर आई

कुशालपुर-प्रोफेसर कॉलोनी की ड्रोन से ली गई तस्वीर, सड़कें ऐसी दिख रही थीं जैसे कोइर गंदा नाला बह रहा हो

- राज्य 50 स्टेशनों में 200 से 60 मिमी., लालपुर में 134 मिमी वर्षा दर्ज
- आधीरात से शुरू हुई जोरों की बरसात सुबह तक अनवरत जारी रही

आफत की बारिश...रायपुर में दस साल का रिकार्ड टूटा, कुसमी में 20 सेमी पानी बरसा

जुलाई के अंतिम सप्ताह में हुई जोरों की बारिश ने प्रदेश के मध्य हिस्से को सराबोर कर दिया है। पिछले चौबीस घंटे में राजधानी के लालपुर स्थित मौसम वेधशाला में दर्ज 134 मिमी. बारिश हुई। बीते दस साल में सबसे ज्यादा है। बलरामपुर के कुसमी में सर्वाधिक 200 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। राज्य के 50 स्टेशनों में 200 से 60 मिमी. तक बारिश रिकार्ड की गई है। शुक्रवार को आधी रात शुरू हुई बारिश शनिवार सुबह तक अनवरत रूप से जारी रही, जिस्से नदी-नाले उफान पर आ गए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पिछले दो तीन दिनों से प्रदेश में बरसात का दौर जारी है और अवदाब के उत्तर छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच पहुंचने के बाद इसका व्यापक असर प्रदेश के लगभग सभी संभागों पर हुआ। शुक्रवार को दोपहर बाद थमी बारिश रात होने के बाद पुनः शुरू हुई और इसका व्यापक असर सुबह तक बना रहा है। सुबह सात बजे जब बारिश थमी, तब तक प्रदेश का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया था। प्रदेश में सर्वाधिक बारिश बलरामपुर जिले के कुसमी में 200 मिमी. दर्ज की गई, जो सीमांत बारिश की श्रेणी में शामिल हो गई। रायपुर में भी मूसलाधार बारिश ने असर दिखाया और यहां लालपुर का सर्वाधिक आंकड़ा 134 मिमी. तक पहुंचा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले दस साल में इतनी बारिश यहां ⏭ शेष पेज 6 पर

पानी में फंसी कारों की निकल गईं नंबर प्लेट

कहां-कहां भारी बारिश

रायपुर- आरंग 81, लामांडी 135, माना 103.9, मंदिर हसौद 84, लालपुर 134.4, रायपुर शहर 119 मिमी., सूरजपुर जिले रामानुजनगर 73, प्रतापपुर 129.2, ओडगी 108, मैयाथान 70.3, रायगढ़ जिले में शहर में 68.0, मुकदा में 115.4 मिमी., सुकमा जिले तोंगपाल 94.2, राजनांदगांव जिले के शहर में 66, डोंगरगढ़ में 132, महासमुंद जिले शहर में 69.5, पिथौरा में 94.4 मिमी., कोरिया जिले पौंडी में 92.2, कांकेर में 68.6, जशपुर जिले के कुनकुरी में 86.6, गरियाबंद जिले के राजिम 70.8, मारवाही जिले में 70.8, दुर्ग-भिलाई में 84.2, अहिवारा में 95.2 मिमी., धमतरी के बेलरगांव में 75.5, दंतेवाड़ा के बड़े बचेली 89.5, बिलासपुर जिले के रतनपुर में 68, बिल्हा में 72.2 तथा बलरामपुर जिले के कुसमी में 200, शंकरगढ़ में 75, सामरी में 140, दौरा कोचली में 98, चांदो में 93, बलरामपुर में 124, मिमी. बलौदाबाजार में 86 मिमी. बारिश दर्ज की गई है।

कार के लिए बुलानी पड़ी क्रेन

- चांदनी-बिहारपुर के आधा दर्जन गांव बने टापू
- कुसमी-जशपुर मार्ग हुआ अवरूद्ध

सरगुजा जिले में पोरथ का स्वयंभू शिव मंदिर भी डूबा

शिवनाथ ऊफान पर एनीकट से बह रहा 6 फीट ऊपर पानी

नदी पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं

मानसूनी सीजन में शिवनाथ नदी दूसरी बार ऊफान पर आया है। शुक्रवार की रात हुई बारिश से शिवनाथ नदी स्थित महमरा एनीकट के ऊपर 6 फीट पानी बह रहा है। इससे महमरा जाने का मार्ग बंद हो गया है। लोगों को घूमकर आना-जाना ⏭ शेष पेज 6 पर

शिवनाथ नदी का महमरा एनीकट में बाढ़ देखने के लिए शहरवासी बड़ी संख्या में उमड़ रहे हैं। लेकिन यहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं है। लोग बाढ़ देखने के लिए एनीकट के समीप जा रहे हैं। हालांकि दिन में एक ⏭ शेष पेज 6 पर

लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर, महानदी में बाढ़ हजारों एकड़ फसल जलमग्न

अम्बिकापुर क्षेत्र की सड़कों का ऐसा हाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर/रायगढ़

पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से सभी नदी-नाले उफान पर हैं। विकासखण्ड कुसमी अंतर्गत गलफुल्ला नदी का पानी पुल के 10 फीट ऊपर तक बहने के कारण कुसमी-जशपुर मार्ग से आवागमन बंद हो गया है। विकासखण्ड ओड़गी में बरंगा नदी का पानी मोहरसोप पुल के ऊपर से बहने के कारण बिहारपुर-ओड़गी मार्ग बंद हो गया है। इसी तरह महानदी में बाढ़ की स्थिति बन गई है। सरिया तहसील के तोरा, ठेंगागुड़ी, पोरथ, बोरिदा, लिप्ती सहित कई तटवर्ती गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। हजारों एकड़ धान, मक्का, सब्जी और नगदी फसलें जलमग्न हो गई हैं। पोरथ का प्रसिद्ध स्वयंभू शिव मंदिर भी डूब चुका है।

पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है वहीं पुल-पुलियों के ऊपर से नदी-नालों का पानी बहने के कारण जगह-जगह आवागमन अवरुद्ध हो गया है। बारिश के कारण कुसमी-जशपुर मार्ग में स्थित पुल से 10 फीट ऊपर तेज रफ्तार पानी बहने के कारण रात से ही मार्ग से आवागमन बंद है तथा पुल के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग ⏭ शेष पेज 6 पर

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
एंटी एजिंग BOTOX व FILLERS
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

खबर संक्षेप

विधायक पुत्र की हत्या दो आरोपी गिरफ्तार

साजा। सीबीआई ने गुरुवार सुबह बिरनपुर कांड में कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अफजल खान और फजल शामिल हैं। इस मामले में चार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। अब तक कुल 14 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। साजा थाना पुलिस ने इन गिरफ्तारियों की पुष्टि की है। विदित हो कि यह मामला वर्तमान विधायक ईश्वर साहू के पुत्र भुनेश्वर साहू की हत्या ⏭ शेष पेज 6 पर

परिवार के चार सदस्यों ने कर ली खुदकुशी

सागर। मप्र के सागर जिले में शनिवार को 45 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके दो किशोर बच्चों सहित एक परिवार के चार सदस्यों ने कथित तौर पर सल्फास की गोलियां खाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान मनोहर लोधी, उनकी बेटी शिवानी (18) और बेटे अंकित (16) तथा उनकी दादी फूलरानी लोधी (70) के रूप में हुई है। यह घटना सागर जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर तेहर गांव में हुई।

डीएमएफ फंड को लेकर एक गाने के साथ वीडियो भी हुआ है वायरल

भाजपा ने थमाया भाजयुमो अध्यक्ष को नोटिस पार्टी नेताओं के खिलाफ दुष्प्रचार का आरोप

- डीएमएफ फंड को लेकर एक गाने के साथ वीडियो भी हुआ है वायरल
- रायगढ़ जिले के डीएमएफ फंड को लेकर नाराजगी जताई

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने डीएमएफ पर उठाए सवाल

अपनी ही सरकार पर सवाल

कांग्रेस ने बनाया मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष रवि भगत को पार्टी के नेताओं के खिलाफ दुष्प्रचार के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें सात दिनों में स्पष्टीकरण देने कहा गया है। इस मामले में रवि भगत ने हरिभूमि से कहा, पार्टी ने नोटिस भेजा है, तो उसका जवाब भी देंगे।

भाजयुमो के अध्यक्ष रवि भगत को लेकर लगातार यह बात सामने आ रही है कि वे पार्टी के अनुशासन के खिलाफ जाकर काम कर रहे हैं। एक तरफ वे अपनी ही पार्टी के विधायक के खिलाफ बोल रहे हैं, वहीं सोशल मीडिया में एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें वे एक गीत गाते हुए डीएमएफ फंड को लेकर गाना गा रहे हैं। इनमें उन्होंने रायगढ़ जिले के डीएमएफ फंड को लेकर नाराजगी जताई है। इस वीडियो में सीधे तौर पर श्री भगत सरकार से मांग कर रहे हैं। इसमें वे गीत के माध्यम से कह रहे हैं, डीएमएफ फंड का पैसा दिला दो सरकार, उजड़ गए हैं गांव, खेत खार। चार मिनट से ज्यादा के इस गीत में कई बातें हैं। रवि भगत के बयान को लेकर कांग्रेस ने भी इस मामले में सरकार को घेरने का काम किया ⏭ शेष पेज 6 पर

पार्टी ने थमाया नोटिस

रवि भगत के सोशल मीडिया में इस तरह का वायरल वीडियो के साथ उनकी बातों को लेकर पार्टी ने इसको अनुशासनहीनता मानते हुए नोटिस थमाया है। इस नोटिस में लिखा गया है, सोशल मीडिया में आपके द्वारा लगातार पार्टी के नेताओं के खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है। आपका यह कृत्य पार्टी की अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने आपको अनुशासनहीनता के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आपको इसका सात दिनों के अंदर स्पष्टीकरण देना है कि क्यों न आपको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया जाए।

MEDISURE HOSPITAL
MEDISURE HOSPITAL
"100 बिस्तरों का भव्य एवं आधुनिक मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल आपकी शुभकामनाओं एवं सहयोग का आकांक्षी है।"
भव्य शुभ आरंभ
27 जुलाई 2025, रविवार
प्रातः 11:00 बजे से
सेक्टर 11ए, कमल विहार, डुंडा चौक, पुराना धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.)
अति विशिष्ट अतिथि
मान. श्री रमन सिंह जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा
विशिष्ट अतिथि
मान. श्रीमती मीनल चौबे जी, महापौर, नगर निगम रायपुर
मान. श्री राजेश मूणत जी, विधायक, रायपुर पश्चिम
मान. श्री सुनील सोनी जी, विधायक, रायपुर दक्षिण
मुख्य अतिथि
मान. श्री विष्णु देव साय जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
मान. श्री पुरंदर मिश्रा जी, विधायक, रायपुर उत्तर
मान. श्री मोतीलाल साहू जी, विधायक, रायपुर ग्रामीण
मान. श्री राजीव अग्रवाल जी, अध्यक्ष, सीएसआईडीसी
उपलब्ध विभाग एवं सुविधाएं :-
• प्रसूति एवं स्त्री रोग • नवजात एवं शिशु रोग • हिमेटोलॉजी • पेन एवं पैलियेटिव केयर
• लेप्रोस्कॉपी एवं सामान्य सर्जरी • आईसीयू / एनआईसीयू / पीआईसीयू
• IUI, IVF • जनरल मेडिसिन • रेडियोलॉजी • पैथोलॉजी
• फार्मेसी • 24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा
• 24 X 7 ट्रामा एवं आपातकालीन सेवाएं
विनीत:-
डॉ. विकास गोयल, हिमेटोलॉजिस्ट
डॉ. राहुल गोयल, गहन चिकित्सा विशेषज्ञ
डॉ. मीनल गोयल, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ. मूनमून अग्रवाल, स्त्री रोग एवं इनफर्टिलिटी विशेषज्ञ
निर्माण : प्राइमस कंस्ट्रक्शन द्वारा
PRIMUS Construction
मो. 098261 51413
स्वागतोत्सुक:-
श्रीमती राम दुलारी गोयल / श्री घनश्याम दास गोयल
Khanna

प्रशिक्षु हो रहे हैं प्रभावित, आजीविका का उद्देश्य अधूरा

प्राधिकरण के सीईओ ने कहा प्राइवेट में है मान्यता

कौशल विकास प्रमाण पत्रों को मान्यता नहीं, चार साल से अटका हुआ है प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास प्राधिकरण प्रदेश के युवाओं को कई तरह के प्रशिक्षण देकर उन्हे प्रमाण पत्र जारी करता है, लेकिन इन प्रमाण पत्रों को किसी डिप्लोमा के समक्षक या पात्रता अर्हता के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। यही नहीं, रोजगार के उद्देश्य से या उच्च शिक्षा तक पहुंच के लिए कोई वरीयता ⏭ शेष पेज 6 पर

खास खबर

आजीविका का उद्देश्य अधूरा

सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में इस जवाब के बारे में लिखा है कि यह उत्तर स्वीकार्य नहीं है। क्योंकि 9 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद(प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु होने से लेकर अब तक) भी लोक नियोजन के उद्देश्य से कौशल विकास प्रमाणपत्र को मान्यता नहीं दिए जाने के कारण प्रशिक्षु प्रभावित हुए तथा रोजगार ⏭ शेष पेज 6 पर

मान्यता का प्रस्ताव चार साल से लंबित

इसी रिपोर्ट के मुताबिक विभिन्न पाठ्यक्रमों के पूरा होने के बाद प्रशिक्षुओं को दिए गए प्रमाण पत्र को मान्यता देने के प्रस्ताव छत्तीसगढ़ कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा मई 2021 में राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन शासन से आधिकारिक मान्यता अभी ⏭ शेष पेज 6 पर

हमारे सर्टिफिकेट को प्राइवेट में मान्यता

इस मामले को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण के सीईओ विजय के दयाराम ने कहा है कि हमारे सर्टिफिकेट को प्राइवेट में मान्यता है। हमारा काम कौशल प्रशिक्षण (स्किलिंग) के बाद रोजगार दिलाना है, हम ये काम कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर की प्राधिकरण के प्रमाण पत्रों को सरकार द्वारा मान्यता नहीं दिए जाने की बात सीएजी ने कहा है, इस बारे में सीईओ ने कहा है कि मैंने यह रिपोर्ट नहीं देखी है। रिपोर्ट के परीक्षण के बाद कुछ कह पाएंगे।

भाजपा के सदस्यता अभियान में बीते साल प्रदेश संगठन ने प्रदेश में 60 लाख सदस्य बनाकर इतिहास रचने का काम किया है। प्रदेश संगठन ने कार्यकर्ताओं को तीन हजार सदस्य बनाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ भोजन करने का मौका देने के साथ सम्मान भी करने का ऐलान किया था। सदस्यता अभियान समाप्त होने के सात माह अब जाकर कार्यकर्ताओं का इंतजार समाप्त हुआ है। दो अगस्त को कार्यकर्ताओं का मुख्यमंत्री निवास पर सम्मान होगा। जिला और राज्य स्तर पर दिए जाने वाले सम्मान का नाम भी तय है।

20 हजार तक सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ताओं का भाजपा करेगी सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विशेष खबर

सौ सदस्य बनाने वालों को शतकवीर सम्मान और 20 हजार सदस्य बनाने वालों को सदस्यता भूषण सम्मान दिया जाएगा। ढाई सौ कार्यकर्ताओं ने सदस्यता अभियान में सौ से 20 हजार तक सदस्य बनाने का काम किया है। इनमें से किनका-किनका दो अगस्त को सम्मान होगा, यह अभी फाइनल नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने जब देशभर में बीते साल सितंबर से दिसंबर तक सदस्यता चलाया तो अभियान के लिए सांसदों के लिए जहां 20-20 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया, वहीं विधायकों के लिए दस-दस हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ सभी मंत्रियों और ज्यादातर विधायकों ने अपना लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की। कुछ विधायक अपना लक्ष्य प्राप्त ही नहीं कर सके। इसी तरह से सांसदों में आधा दर्जन से ज्यादा सांसद अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं सके। ये सांसद तो आधे लक्ष्य तक भी नहीं पहुंचे सके। एक सांसद तो पांच सौ सदस्य भी नहीं बना सके थे।

कार्यकर्ताओं ने किया कमाल

जहां एक तरफ कई सांसद और विधायक लक्ष्य प्राप्त करने में सफल नहीं रहे, वहीं थोक में कार्यकर्ताओं ने तीन हजार सदस्य बनाने का काम आसानी से किया। इसी के साथ कई कार्यकर्ताओं ने दस हजार और इससे ज्यादा भी सदस्य बनाने का काम किया है। अब इन सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान होगा और मुख्यमंत्री के साथ भोजन करने का मौका भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ भोजन करने का भी मिलेगा मौका

किसको कौन सा सम्मान

जिला स्तर पर सौ सदस्य बनाने वाले सदस्यों को शतकवीर सम्मान, 500 सदस्य बनाने वालों को शक्ति सम्मान और हजार सदस्य बनाने वालों को दीप सम्मान दिया जाएगा। इसी तरह से राज्य स्तर पर तीन हजार से ज्यादा सदस्य बनाने वालों को सदस्यता श्री सम्मान, पांच हजार से ज्यादा सदस्य बनाने वालों को सदस्यता गौरव सम्मान, 10 हजार से ज्यादा सदस्य बनाने वालों को सदस्यता रत्न और 20 हजार सदस्य बनाने वालों को सदस्यता भूषण सम्मान दिया जाएगा।

सम्मान समारोह तय

दो अगस्त को सम्मान समारोह कराने का फैसला किया गया है। 250 कार्यकर्ताओं की सूची बनी है, इसमें से कितने का सम्मान राज्य स्तर पर होगा और कितने का जिला स्तर पर होगा, इसका फैसला जल्द होगा।

- अनुराग सिंहदेव
प्रदेश प्रभारी, सदस्यता अभियान

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी
बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]
डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]
महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग
9131880895, 8319870997
6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर
83700 77700, 7024125200

नर्सिंग होम या क्लिनिकल सेंटर को सील करने से पहले 30 दिन का नोटिस जरूरी- हाईकोर्ट

बिलासपुर। नर्सिंग होम व क्लिनिकल सेंटर के खिलाफ कार्रवाई को लेकर हाई कोर्ट ने जरुरी गाइड लाइन जारी किया है। सिंगल बेंच ने कहा है कि तय मापदंडो और नियमों का पालन करना जरूरी है। संबंधित अधिकारी उस अस्पताल या नर्सिंग होम को 30 दिन का नोटिस जारी करेगा जिसे बंद या सील किया जाना है। लाइसेंस निरस्त या निलंबित करने से पहले भी प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। नोटिस में उस कारण का भी स्पष्ट उल्लेख करना होगा। इस आदेश के साथ हाईकोर्ट ने महासमुंद जिले के सरायपाली में संचालित मातृ केयर नर्सिंग होम को दोबारा खोलने की अनुमति दे दी है। हाईकोर्ट ने अस्पताल को सील करने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। मामले में कोर्ट ने अस्पताल खोलने की अनुमति देने के साथ ही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। मामला सरायपाली के रहने वाले प्रशांत कुमार साहू की शिकायत से जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि अस्पताल में लापरवाही से इलाज किया गया, जिससे उनकी पत्नी विकलांग हो गई। प्रशांत ने सरायपाली थाने में लिखित शिकायत दी थी कि 10 अक्टूबर 2024 को उनकी पत्नी का ऑपरेशन डॉक्टर शिबाशीष बेहरा ने किया था, लेकिन ऑपरेशन में गंभीर लापरवाही हुई, जिसके चलते उनकी पत्नी को स्थायी शारीरिक नुकसान पहुंचा।

फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र से सरकारी नौकरी, हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान
20 अगस्त तक राज्य मेडिकल बोर्ड में परीक्षण कराने के आदेश

सभी विभागों के इंचार्ज अधिकारियों को भी 20 अगस्त को कोर्ट में उपस्थित रहने के निर्देश

बिलासपुर। फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र के सहारे सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के खिलाफ अब हाईकोर्ट भी सख्त हो गया है। कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए उन सभी संदिग्ध कर्मचारियों को 20 अगस्त 2025 तक राज्य मेडिकल बोर्ड से दिव्यांगता का अनिवार्य भौतिक परीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं, जो अब तक जांच से बचते आ रहे थे। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि जो भी कर्मचारी जांच नहीं कराएंगे, उन्हें यह स्पष्टीकरण देना होगा कि उन्होंने मेडिकल बोर्ड के समक्ष परीक्षण क्यों नहीं कराया। कोर्ट ने चेताया है कि यदि तय समयसीमा के भीतर जांच नहीं कराई जाती, तो संबंधितों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हरिभूमि ने इस मामले में लगातार खबर प्रकाशित की है। हाईकोर्ट ने सभी विभागों के इंचार्ज अधिकारियों को भी 20 अगस्त को कोर्ट में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके विभाग में कार्यरत सभी संदिग्ध कर्मचारी निर्धारित तिथि तक मेडिकल जांच कराएं। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में लाई जाएगी। ध्यान रहे कि दिव्यांग संघ भी पिछले तीन वर्षों से इस मुद्दे पर लगातार संघर्ष कर रहा है। संघ का आरोप है कि कई ऐसे लोग सरकारी नौकरी में चयनित हुए हैं जो असल में दिव्यांग नहीं हैं, लेकिन फर्जी प्रमाणपत्र के जरिए उन्होंने आरक्षण का लाभ उठाया।

सभी विभागों को जांच कराने पत्र जारी

ध्यान रहे कि मुंगेली जिले में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी कर रहे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। अतिरिक्त कलेक्टर की ओर से सभी विभाग प्रमुखों को पत्र लिखकर प्रमाण पत्रों की जांच करने और प्रतिवेदन देने कहा गया है। सभी ने श्रवण बाधित के फर्जी प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर नियुक्ति प्राप्त की थी। सबसे अधिक शिक्षा विभाग में इस तरह के लोग नौकरी कर रहे हैं। कलेक्टर ने इन कर्मचारियों की लिस्ट भी जारी की है। अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा जारी पत्र के मुताबिक मेडिकल जांच कराने कई कर्मचारी नहीं पहुंच रहे हैं तो कुछ लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। दिव्यांग संघ के मुताबिक वर्तमान में पीएससी से सलेक्ट होकर 7 डिप्टी कलेक्टर, 3 नायब तहसीलदार, 3 लेखा अधिकारी, 3 पशु चिकित्सक, 2 सहकारिता निरीक्षक सहित 21 लोग फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र लगाकर सरकारी नौकरी कर रहे हैं।

अब यह होगा

- सभी संदिग्ध कर्मचारियों को 20 अगस्त 2025 तक राज्य मेडिकल बोर्ड से जांच करानी होगी
- जांच न कराने की स्थिति में कार्रवाई तय मानी जाएगी
- सभी विभागीय प्रमुखों को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित रहना होगा
- फर्जी प्रमाणपत्र साबित होने पर निलंबन व सेवा समाप्ति तक की कार्रवाई संभव

लोरमी ब्लाक के 7 गांवों में सबसे अधिक फर्जीवाड़ा

मुंगेली जिले के लोरमी ब्लाक के सारधा, लोरमी, सुकली, झाफल, फुलझर, विचारपुर, बोड़तरा गांव के लोगों के बने सभी दिव्यांग प्रमाण-पत्रों पर सवाल उठ रहे हैं। बात सामने आई है कि अकेले 53 लोग कृषि विभाग में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं। वहीं तीन लोग कृषि शिक्षक के पद पर काबिज हैं। ध्यान रहे राज्य शासन की ओर से दिव्यांगों की विशेष भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। सबसे पहले ग्रामीण कृष विस्तार अधिकारी पद के लिए भर्ती हुई। इसमें 50 ऐसे लोगों की नियुक्ति हुई है जिन्होंने श्रवण बाधित होने का फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र पेश किया है। इसी तरह तीन कृषि शिक्षक के पद पद काम कर रहे हैं।

33 सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को 300 दिन के अवकाश नगदीकरण का लाभ नहीं मिला

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के अवकाश नगदीकरण भुगतान में देरी करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह को अवमानना नोटिस जारी किया है। जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल की सिंगल बेंच ने यह आदेश जारी किया है।

याचिका के मुताबिक पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त सहायक उप निरीक्षक बैजनाथ राय, निरीक्षक रघुनंदन शर्मा, सहायक उप निरीक्षक हनुमान प्रसाद मिश्रा सहित कुल 33 पुलिसकर्मियों ने मध्य प्रदेश राज्य के समान 300 दिन के अवकाश नगदीकरण का लाभ देने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता धीरेन्द्र पांडेय व विजय मिश्रा ने पैरवी करते हुए दलील दी थी कि मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की भांति छत्तीसगढ़ के पुलिसकर्मियों को भी 300 दिन के अवकाश नगदीकरण का लाभ मिलना चाहिए। मामले में हाई कोर्ट ने 29 जनवरी 2025 को सुनवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर को निर्देशित किया था कि वे सुप्रीम कोर्ट के फगुआ राम प्रकरण के आदेश के अनुरूप 90 दिन के भीतर याचिकाकर्ताओं के अभ्यावेदन का निराकरण कर अवकाश नगदीकरण की राशि का भुगतान करें। कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद एसएसपी बिलासपुर द्वारा निर्धारित अवधि में न तो अभ्यावेदन का निराकरण किया गया और न ही अवकाश नगदीकरण की राशि का भुगतान किया गया। इससे क्षुब्ध होकर याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल की बेंच ने प्रथम दृष्टया आदेश की अवहेलना मानते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

एक पेड़ मां के नाम से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत

रायपुर। अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय एवं प्रांतीय बैठक का शुभारंभ शनिवार को सालासर बालाजी धाम में एक पेड़ मां के नाम अभियान से किया गया। सालासर बालाजी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष हेमराज जिंदल, महामंत्री राजेश अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष प्रमोद जैन, चेयरमैन कर्तव्य अग्रवाल की उपस्थिति रही। युवा सम्मेलन द्वारा 111 पौधे लगाए गए। रविवार को राष्ट्रीय बैठक एवं प्रांतीय बैठक के साथ जिला इकाई का सम्मान कार्यक्रम आयोजित है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी होंगे, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में गोपाल शरण गर्ग सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहेंगे।

राशिफल

मेष धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

खाद संकट के बीच दर्जनभर जिलों में निजी दुकानदारों को मांग से अधिक डीएपी-यूरिया की सप्लाई, महंगे दाम में खरीदी मजबूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

अलग खबर

एक तरफ जहां प्रदेश के अन्नदाता इस खरीफ सीजन में खाद्य संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें सहकारी समितियों में पर्याप्त खाद नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार द्वारा निजी दुकानों में कोटे से अधिक डीएपी एवं यूरिया की सप्लाई कर दी गई है। कुछ जिलो में तो मांग के मुकाबले दो से तीन गुना तक निजी दुकानदारों को खाद सप्लाई की गई है। इस मामले को लेकर कांग्रेस विधायकों ने भी सरकार को विधानसभा में घेरा है। जिस पर सरकार की तरफ से खाद मंत्री ने आगे से इस विषय पर ध्यान दिए जाने की बात कही है। खरीफ के इस सीजन में प्रदेश के अधिकांश जिलों की सोसाइटियों में डीएपी और यूरिया खाद की शासन की ओर से पर्याप्त सप्लाई नहीं होने के कारण किल्लत बनी हुई है, जबकि इसके विपरीत निजी कृषि केंद्र व दवा दुकान में डीएपी-यूरिया का पर्याप्त स्टाक पड़ा हुआ है। किसानों को वहां से अधिक दाम में खाद की खरीदी करनी पड़ रही है। जिसको लेकर सवाल उठाते हुए पूर्व सीएम भूपेश बघेल द्वारा सरकार पर खाद सहकारी समितियों को न देकर निजी क्षेत्र को देने का आरोप लगाया। उन्होंने खाद की कालाबाजारी की बात भी कही। उन्होंने कहा कि इस वर्ष वितरण का लक्ष्य 3.10 लाख टन के विरुद्ध 1.48 लाख टन ही भंडारण हो पाया है।

शब्द पहेली - 5940

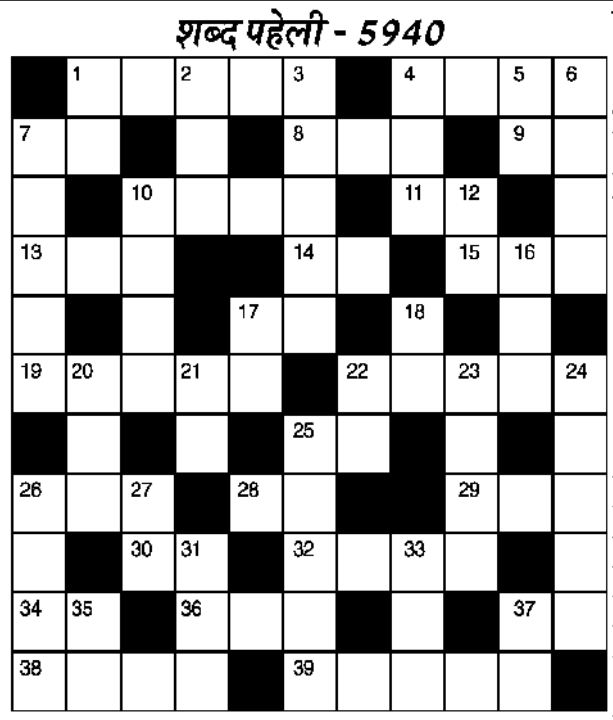

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 5939 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	क्या	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ग्य	■	य	ज	न	दा	र
■	ठ	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ठ
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	य	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ठ	ज	न	■	ज	ङा	ज	चा	ल	न

सूडोकु नवताल - 5950

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5949 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

बिलासपुर

रविवार, 27 जुलाई 2025

श्रावण शुक्ल पक्ष चर्तुथी

वर्ष : 25, अंक : 126

पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 27.0

न्यून. 24.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

एमबीबीएस-बीडीएस काउंसिलिंग के लिए 29 से आवेदन, राज्य एवं प्रबंधन कोटे की 1733 सीटें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एमबीबीएस-बीडीएस की राज्य एवं प्रबंधन कोटे की सीटों पर एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 29 जुलाई से 4 अगस्त के बीच पूरी की जाएगी। पहले दौर में सीटों का आवंटन और एडमिशन 8 से 14 अगस्त के बीच पूरा होगा। राज्य के 10 शासकीय और 4 निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में राज्य और प्रबंधन की कुल 1733 सीटें है जिस पर प्रवेश प्रक्रिया चिकित्सा शिक्षा विभाग की काउंसिलिंग कमेटी द्वारा पूरी की जाएगी। एनएमसी ने प्रवेश के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया की अंतिम तारीख 3 अक्टूबर तय की है। एनएमसी द्वारा जारी किए गए शेड्यूल के आधार पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अपनी तैयारियों के ⏭शेष पेज 6 पर

अलग खबर

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 4 अगस्त, पहले दौर का प्रवेश 8 से 14 अगस्त के बीच

बीडीएस की 580 सीटों के लिए काउंसिलिंग

इसी तरह बीडीएस की एकमात्र शासकीय और पांच निजी दंत चिकित्सा महाविद्यालयों की 580 सीटों पर एडमिशन का काम भी इन्हीं के माध्यम से पूरा होगा। एनएमसी द्वारा अपने शेड्यूल में यूजी का काउंसिलिंग 3 अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। राज्य में समस्त शासकीय और निजी मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों की सीटें उनकी योग्यता और निर्धारित नियमों के अनुरूप राज्य स्तरीय काउंसलिंग समिति, कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा द्वारा आवंटित की जाएंगी। किसी एजेंट या संस्था के माध्यम से प्रवेश देने के दावे पूर्णतः अस्वीकार्य होंगे।

■ प्रवेश की अंतिम तिथि 3 अक्टूबर, राज्य के 10 शासकीय 4 निजी मेडिकल कालेज में होगा प्रवेश

22261 की सूची मिली

नीट में सफल होने वाले 22261 लोगों की सूची चिकित्सा शिक्षा विभाग को मिल गई है। इसमें टॉप टेन में दर्शित जैन को 524, सिया रॉय 617, हेमिला पटेल 615, गुंतुकु गुरुचरण 611, पार्थ आहर 609, अर्थ बंसल 608, उदय कुमार 607, आदर्श गिरी 607, खुशहाल धमेजा 606, तता रोमहर्ष चंद्राकर 605 अंक शामिल है। इनमें से कुछ छात्रों के ऑल इंडिया कोटे से एडमिशन लिए जाने की उम्मीद है। इसके बाद उनकी प्राथमिकता शासकीय स्तर पर शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर होगा।

एडमिशन के लिए न्यूनतम योग्यता तय

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा एमबीबीएस और बीडीएस की सीटों पर एडमिशन के लिए होने वाली काउंसिलिंग के लिए विभिन्न वर्ग के हिसाब से न्यूनतम योग्यता तय की गई। इसके तहत यूआर और ईडब्लूएस के लिए 686 से 144 प्राप्तांक (50 परसेंटाइल), एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के लिए 143 से 113 (40 परसेंटाइल), यूआर, ईडब्लूएस-दिव्यांगों के लिए 143 से 127 (45 परसेंटाइल) तथा अन्य वर्ग के दिव्यांगों के लिए 126 से 113 प्राप्तांक (40 परसेंटाइल) को मान्य किया गया है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

2300 से अधिक अमरनाथ यात्रियों का जत्था रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए 2,300 से अधिक तीर्थयात्रियों का नया जत्था आधार शिविर से रवाना हुआ। तीन जुलाई से शुरू हुई 38 दिन की लंबी यात्रा के बाद से अब तक 3.60 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं।

सांबा के सीमावर्ती गांव से 500 ग्राम हेरोइन बरामद

सांबा/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे एक गांव से शनिवार को करीब 500 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह ने तड़के चिल्यारी गांव से यह बरामदगी की। एक स्थानीय ग्रामीण ने बताया कि आधी रात के कुछ देर बाद पाकिस्तान से आए एक संदिग्ध ड्रोन ने एक पीले रंग का पैकेट गिराया।

1.23 करोड़ का गुटखा बरामद, दो गिरफ्तार

पालघर। पुलिस ने पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर दो ट्रक में से 1.23 करोड़ रुपए मूल्य के प्रतिबंधित गुटखे की खेप जब्त की। इस मामले में दो चालकों को गिरफ्तार किया। प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों को दो कंटेनर में छिपाकर रखा गया था और इनका परिवहन राज्य के कानूनों एवं खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए किया जा रहा था।

एशिया कप टी20 यूएई में 9 सितंबर से

नई दिल्ली। पुरुषों का एशिया कप टी20 टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक यूएई में आयोजित किया जाएगा। इसकी पुष्टि एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने की है। 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में आयोजन स्थल का फैसला किया गया। बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया। भारत ने ढाका में हुई एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में वर्चुअली हिस्सा लिया था। बैठक को भी लेकर काफी बवाल हुआ था। एसीसी के अध्यक्ष बनने के बाद नकवी मनमानी पर उतर आए थे और भारत पर बांग्लादेश के ढाका में मीटिंग में किसी को भेजने का दबाव बना रहे थे।

प्रदेश में ऐसा पहली बार जब इतनी बंदूकें एक साथ बरामद

बलरामपुर के छह गांवों में घुसी पुलिस, 37 भरमार बंदूकें जब्त

बलरामपुर जिले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक साथ 37 भरमार हथियार बरामद किया है। यह संभवतः प्रदेश का पहला मामला है, जब पुलिस ने किसी भी मामले में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में हथियार बरामद किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि बरामद किए गए भरमार को ग्रामीणों ने खुद ही पुलिस को सुपुर्द किया है। ग्रामीणों द्वारा इन भरमार बंदूकों का उपयोग शिकार और जंगली जानवरों से अपने खेतों की रक्षा के लिए किया जाता था।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। बलरामपुर जिले का कुसमी सामरी पाठ क्षेत्र नक्सल दृष्टि से संवेदनशील रहा है। पूर्व में इस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां होती रहती लेकिन अब चुनचुना-पुंदाग सहित अन्य क्षेत्र नक्सल मुक्त हो चुके है और नक्सली छत्तीसगढ़ की सीमा छोड़कर फरार हो चुके है। इन सब के बीच हाल में में कुसमी सामरीपाठ क्षेत्र में आए दिन भरमार बंदूक बरामद होने की जानकारी सामने आ रही थी। पुलिस ने पूर्व में कुछ भरमार बंदूक बरामद किए गए थे और इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली ⏭शेष पेज 6 पर

■ छत्तीसगढ़ की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

■ चुनचुना पुंदाग क्षेत्र के लोगों ने छिपाकर रखे थे हथियार

कहां से कितने हथियार

1.	चुनचुना	- 14
2.	चरहू	- 8
3.	मूताही	- 8
4.	पीपरढाबा	- 3
5.	भीतर चरहू	- 2
6.	पुंदाग	- 2

चलाया गया विशेष अभियान

ग्रामीणों के पास भरमार हथियार होने की पुष्टि के बाद एसपी श्री बैंकर के निर्देश पर एएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी व एसडीओपी एमानुएल लकडा के नेतृत्व में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह, कोरंधा थाना प्रभारी विरासत कुजूर, सउनि दशरथ कुजुर, सउनि सुरेश राम, ⏭शेष पेज 6 पर

मुठभेड़ में 4 माओवादी ढेर, हथियार बरामद

जगदलपुर/बीजापुर। बीजापुर जिले के अंदरूनी क्षेत्र में शनिवार को सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में 4 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। मौके से इंसास और एसएलआर राइफल सहित बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस अभियान के दौरान 26 जुलाई की शाम से ही सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। जहां इंसास, एसएलआर राइफल सहित कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद हुई हैं। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। ⏭शेष पेज 6 पर

चैतन्य से मिले सचिन, कहा- विपक्ष को डराने भाजपा सरकार ले रही एजेंसियों का सहारा

- जेल में बंद पूर्व मंत्री कवासी लखमा से भी की मुलाकात
- हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, बीजेपी पर जमकर बरसे सचिन पायलट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट शनिवार को रायपुर पहुंचे, इस दौरान उन्होंने जेल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से मुलाकात की। उन्होंने कहा, बीजेपी की सरकार भूपेश बघेल को टारगेट कर रही है। उन्होंने कहा, हम सब लोग बार-बार कह रहे हैं और अरसे से कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी और उनकी सरकार अपने विरोधियों को डराने ⏭शेष पेज 6 पर

भाजपा के राजनीतिक प्रतिद्वंदियों की आवाज दबाने का प्रयास

पायलट ने कहा, मैंने आज चैतन्य बघेल से मुलाकात की। हम लंबे समय से बार-बार कह रहे हैं कि भाजपा और उसकी केंद्र तथा राज्य सरकार अपने प्रतिद्वंद्वियों को लगातार डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेताओं और अब पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के बेटे के खिलाफ कार्रवाई से साबित होता है कि केंद्र और राज्य की जांच एजेंसियां भाजपा के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही हैं।

पीएम मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, 75% अप्रूवल रेटिंग के साथ टॉप पर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपनी वैश्विक लोकप्रियता साबित करते हुए दुनिया के सबसे पसंदीदा नेता का स्थान हासिल किया है। बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के मुताबिक जुलाई 2025 में कराए गए एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में पीएम मोदी को 75 प्रतिशत 'अप्रूवल रेटिंग' मिली है। यह रेटिंग उन्हें 20 देशों के शीर्ष नेताओं की सूची में सबसे ऊपर रखती है।

डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44% लोगों ने समर्थन दिया

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44 प्रतिशत लोगों ने समर्थन दिया जबकि 50 प्रतिशत लोगों ने असहमति जताई।

साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह भारत के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है कि हमारे प्रधानमंत्री वैश्विक मंच पर प्रभावशीलता, लोकप्रियता और नेतृत्व क्षमता के प्रतीक बने हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के सप्लायर पर छापेमारी, 48 करोड़ की सप्लाई में 1 करोड़ की जीएसटी चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ मुख्यमंत्री की जीरो टोलरेंस नीति के तहत बड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टोलरेंस की नीति और सरकारी खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के तहत राज्य जीएसटी विभाग ने रायगढ़ स्थित मेसर्स श्याम सर्जिकल पर कार्यवाही की है। यह फर्म छत्तीसगढ़ सहित झारखंड और ओडिशा में भी सरकारी अस्पतालों को सर्जिकल और मेडिकल उपकरणों की आपूर्ति करती है। राज्य जीएसटी विभाग की जांच में सामने ⏭शेष पेज 6 पर

परिवार के नाम पर तीन फर्म

बताया जा रहा है कि इस लाभ को छुपाने और जीएसटी देनदारी से बचने के लिए व्यवसायी ने अपने परिवारजनों के नाम पर तीन अन्य फर्में-राहुल इंटरप्राइजेज, नारायणी हेल्थकेयर, और पी.आर. इंटरप्राइजेस बनाईं तथा आपस में ही खरीदी बिक्री दिखाकर करीब 1 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की।

साय बोले- भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि राज्य सरकार सरकारी निधि और जन स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। इस प्रकार की धोखाधड़ी न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि जनहित के साथ विश्वासघात भी है। प्रदेश सरकार ने ऐसे सभी आपूर्तिकर्ताओं ⏭शेष पेज 6 पर

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बड़ा ऐलान

रुद्र ब्रिगेड : अब बॉर्डर पर कांप उठेंगे दुश्मन!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 'रुद्र' नाम की नई सर्व-शस्त्र ब्रिगेड की घोषणा की है। आर्मी चीफ ने यह कदम भारतीय सेना के आधुनिकीकरण को लेकर उठाया है। बॉर्डर पर पाकिस्तान और चीन की साजिश के खिलाफ यह बहुत बड़ा फैसला माना जा रहा है। आर्मी चीफ ने कहा कि आज की भारतीय सेना न केवल वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक ⏭शेष पेज 6 पर

क्या है रुद्र ब्रिगेड : 'रुद्र ब्रिगेड' भारतीय सेना की नई इकाई है, जिसमें विभिन्न प्रकार की लड़ाकू इकाइयों को एक साथ मिलाया गया है। ये ब्रिगेड सीमाओं पर तैनात होंगे। इस ब्रिगेड के पास खतरनाक हथियार होंगे जिसे देखते ही सीमा पर के दुश्मन कांप उठेंगे। यह ब्रिगेड पाकिस्तान और चीन की साजिश को झटके में नाकाम करने की ताकत रखती है।

रुद्र ब्रिगेड में इन फाइटर यूनिट को मिलाया गया

सशस्त्र इकाई: इस यूनिट में सेना के जवान टैंक और भारी हथियारों से लैस होंगे।

पैदल सेना: पैदल सैनिक, जो जमीन पर किसी भी तरह के खतरा के खिलाफ टूट पड़ते हैं।

मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री: इस इकाई में बख्तरबंद गाड़ियों से लैस सैनिक।

आर्टिलरी यूनिट: इस यूनिट में वैसे सैनिक होंगे जो तोपखाने से दूर से हमला करेंगे।

विशेष सैनिक: इस यूनिट में खास मिशन के लिए ट्रेनिंग पाए सैनिकों को रखा जाएगा।

यूएवी (ड्रोन): इस यूनिट में बिना पायलट वाले हवाई हथियार रहेंगे, जिसका काम जासूसी और हमले करना होगा।

भारत और ब्रिटेन ने 24 जुलाई को मुक्त व्यापार की दिशा में आगे बढ़ते हुए एक व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) किए। इसे भारत का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी व्यापार समझौता माना जा रहा है। समझौते के तहत भारत के 99 फीसदी उत्पादों को ब्रिटेन में और यूके के 90 फीसदी उत्पादों को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इससे पहले भारत ने दस देशों के संगठन दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के साथ एफटीए किया है। आसियान में भूटान, थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) शामिल हैं, जिसमें आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। भारत का श्रीलंका, मॉरीशस और मलेशिया के साथ भी एफटीए है, दक्षिण कोरिया, जापान और यूएई के साथ एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) है, ऑस्ट्रेलिया के साथ आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए) है, सिंगापुर के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) है और थाईलैंड के साथ तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) है। मुक्त व्यापार के नजरिये को पहली बार 1817 में अर्थशास्त्री डेविड रिकार्डो ने अपनी पुस्तक 'ऑन द प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी एंड टैक्सेशन' में लोकप्रिय बनाया था। आजकल में पेश है एफटीए का विश्लेषण...

ट्रेड बढ़ाने के नए युग का आगाज एफटीए

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
ग्लोबल ट्रेड व कूटनीतिक मामलों के जानकार

दिवस 24 जुलाई 2025 को भारत के आर्थिक और कूटनीतिक इतिहास में सदैव याद किया जाएगा। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते की पहल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में मई 2022 से प्रारंभ हुई थी। निश्चित तौर पर लेबर पार्टी के जुलाई 2024 में विराट बहुमत के साथ ब्रिटेन में सत्तासीन हो जाने के तत्पश्चात भारत और ब्रिटेन के मध्य मुक्त व्यापार वार्ताओं को तेज गति उत्पन्न हो गई। यकीनन यदि कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन में सत्तासीन होती तो संभव है कि फिर भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता ऐसा शानदार प्रारूप ले ही नहीं पाता, क्योंकि कूटनीतिक तौर पर ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी का रुख सदैव अमेरिका समर्थक रहा है।

एक ऐसे वक्त में जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट 32 नाटो देशों में भारतीय निर्यात पर सौ प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी दे रहे हैं, जिस वक्त में यूरोपियन यूनियन भारतीय तेल कंपनियों पर प्रतिबंध आयद करने का फैसला ले रही हैं। ठीक उसी वक्त में नाटो सैन्य संगठन का एक प्रमुख सदस्य देश और यूरोप का सिरमौर देश ब्रिटेन राष्ट्रपति ट्रंप, नाटो चीफ मार्क रूट और यूरोपियन यूनियन की धमकी को एकदम से दरकिनार करते हुए भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता अंजाम दे देता है। इससे भारतीय निर्यात पर पश्चिमी देशों द्वारा विशाल टैरिफ आयद करने की धमकियों का कुहासा यकायक ध्वस्त होने लगता है। 24 जुलाई 2025 को भारत के आर्थिक और कूटनीतिक इतिहास में सदैव याद किया जाएगा। भारत-ब्रिटेन व्यापक मुक्त व्यापार समझौते की पहल ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में मई 2022 से प्रारंभ हुई थी। निश्चित तौर पर लेबर पार्टी के जुलाई 2024 में विराट बहुमत के साथ ब्रिटेन में सत्तासीन हो जाने के तत्पश्चात भारत और ब्रिटेन के मध्य मुक्त व्यापार वार्ताओं को तेज गति उत्पन्न हो गई। यदि कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन में सत्तासीन होती तो संभव है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता ऐसा शानदार प्रारूप नहीं ले पाता, क्योंकि कूटनीतिक तौर पर ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी का रुख सदैव अमेरिका समर्थक है। लेबर पार्टी अपने बुनियादी चरित्र में एक वामपंथी पार्टी रही है, अतः वह अमेरिकी नीतियों का अंधानुकरण नहीं किया करती है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध शक्तिशाली बनेंगे

ब्रिटेन के साथ भारत के ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय संबंध को और अधिक शक्तिशाली बनाने में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का भविष्य में बड़ा किरदार रहेगा। भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते के लिए द्विपक्षीय आर्थिक और कूटनीतिक वार्ताएं शनैः शनैः कदमताल करते हुए तीन वर्षों तक मंथर गति से कभी रुक गई थी और फिर कभी चल पड़ी थी। आखिरकार 15 राउंड तक चली द्विपक्षीय वार्ताओं के पश्चात 24 जुलाई को मुक्त व्यापार समझौते को भारत और ब्रिटेन द्वारा अंतिम पड़ाव तक पहुंचा दिया गया। भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन की ओर से जोनाथन रेनाल्ड द्वारा मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत ब्रिटेन व्यापार समझौते के महत्व को इस तथ्य से बाकायदा समझा जा सकता है कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर विद्यमान रहे और समझौते पर दस्तखत हो जाने के पश्चात प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने फरमाया कि यह समझौता केवल आर्थिक साझेदारी का ही नहीं है, वरन् साझा समृद्धि की भी एक कार्य योजना है। यह समझौता दोनों देशों के मध्य

व्यापार बाधाओं को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा। साथ ही भारत और ब्रिटेन के मध्य तकनीकी सहयोग, नवाचार और पूंजी निवेश की राह को प्रशस्त करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और ब्रिटेन के मध्य 25.5 अरब पौंड अर्थात 5 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक व्यापार है।

पांच वर्षों में बढ़कर दोगुना होगा व्यापार

इस समझौते के बाद यह उम्मीद जताई गई है कि यह परस्पर व्यापार आगामी 5 वर्षों के अंदर बढ़कर दोगुना हो जाएगा। आजकल ब्रिटेन को भारत का निर्यात तकरीबन तीन लाख करोड़ का है, जबकि ब्रिटेन का भारत को निर्यात लगभग दो लाख करोड़ का है। भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में अनेक पहलू विद्यमान हैं। सबसे पहला पहलू है कि भारत द्वारा ब्रिटेन को निर्यात किए जाने वाले 99 प्रतिशत सामान पर कोई आयात शुल्क (टैरिफ) आयद नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात किए गए 90 प्रतिशत सामान पर भी कोई आयात शुल्क (टैरिफ) आयद नहीं किया जाएगा। भारत से ब्रिटेन को निर्यात किए जाने वाले सामान मुख्यतः भारत के कृषि उत्पाद जैसे फल, सब्जियां, हल्दी, काली मिर्च, इलायची आदि, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों (प्रोसेस्ड फूड), समुद्री उत्पाद झींगा, टूना मछली का चारा, टेक्सटाइल हस्तशिल्प सामान, फुटवियर, हीरे-सोने की ज्वेलरी, फार्मा, जेनेरिक दवाएं, इंजीनियरिंग सामान, ऑटो पार्ट्स आदि पूरी तरह से आयात शुल्क (टैरिफ) से मुक्त हो जाएंगे। अतः इन सभी भारतीय सामानों के लिए ब्रिटेन में एक बड़ा बाजार उपलब्ध हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अभी तक ब्रिटेन के बाजार चीन के माल से लबरेज रहते हैं। भारतीय निर्यात के लिए ब्रिटेन में आयात शुल्क (टैरिफ) मुक्त हो जाने के कारण भविष्य में भारतीय सामान यकीनन चीन के सामान को कड़ी टक्कर दे सकेंगे। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात किए जाने वाली वस्तुओं में स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है। आगामी 10 वर्षों में शनः शनः स्कॉच व्हिस्की पर भारत में टैरिफ घटाकर 40 प्रतिशत तक कर दिया जाएगा। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात की जाने वाली ऑटो कारों पर भी टैरिफ 100 प्रतिशत से घटाकर आगामी दस वर्षों में 10 प्रतिशत तक कर दिया जाएगा।

आटो इंडस्ट्री को मिलेगी प्रतिस्पर्धा

आने वाले दौर में भारतीय ऑटो इंडस्ट्री को यकीनन ब्रिटिश आटो इंडस्ट्री की अत्यंत कड़ी चुनौती का मुकाबला करना पड़ेगा। संभव है कि ब्रिटिश आटो इंडस्ट्री की चुनौती भारतीय आटो इंडस्ट्री के लिए वरदान साबित हो जाए और भारत की ऑटो इंडस्ट्री ब्रिटेन के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की निर्मित हो सकती है। भारतीय इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के ब्रिटिश बाजार में पहुंचने की उम्मीद है क्योंकि इन पर से आयात शुक्ल काफी कम कर दिया गया है। भारत की विदेशी शराब इंडस्ट्री को ब्रिटिश स्कॉच व्हिस्की से टैरिफ सौ प्रतिशत तक घटाए जाने के कारणवश नुकसान झेलना पड़ सकता है। इसके लिए भारत सरकार को भारतीय स्कॉच व्हिस्की पर भी एक्साइज ड्यूटी घटानी पड़ सकती है। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात किए जाने वाले मेडिकल उपकरणों, एयरोस्पेस पार्ट्स, चॉकलेट और बिस्किट पर भी टैरिफ घटा दिया गया है। भारतीय किसानों के हितों को सुरक्षित रखते हुए भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते के तहत ब्रिटिश कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को कदाचित खोला नहीं गया है। व्यापार समझौते का दूसरा पहलू है कि भारत के लिए ब्रिटेन ने अपना सर्विस सेक्टर पूरी तरह से खोल दिया है। सर्विस सेक्टर पर व्यापक डील भी होगी। ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी के लीडरों द्वारा सर्विस सेक्टर को भारत के लिए खोल देने पर सख्त एतराज का इजहार किया गया और आशंका जताई कि इस कदम से ब्रिटेन में बेरोजगारी में इजाफा हो जाएगा। किंतु ब्रिटेन के वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनाल्ड ने विपक्षी लीडरों की इस आशंका को सिरे से खारिज कर दिया। भविष्य में भारतीय वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर टेक्नीशियन आदि आसानी से इंग्लैंड में काम कर सकेंगे। भारतीय कामगारों को ब्रिटेन की सामाजिक सुरक्षा योजना में तीन वर्षों तक अपनी आमदनी से कोई अनुदान राशि जमा नहीं करनी पड़ेगी। उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते से पहले भारतीय कामगारों को सामाजिक सुरक्षा योजना में केवल एक वर्ष तक अंशदान करने से छूट प्राप्त थी। इस अंशदान छूट से भारतीय कामगारों को और भारतीय कंपनियों को फायदा हो जाएगा। यूरोपियन यूनियन का परित्याग करने के (ब्रेक्जिट) तत्पश्चात ब्रिटेन को आर्थिक तौर पर नए सशक्त साझीदार की तलाश थी। व्यापार समझौते के तहत ब्रिटिश कंपनियों को रक्षा, ऊर्जा, फार्मा, ऑटो इंडस्ट्री आदि क्षेत्रों में भारत में निवेश करने के अवसर फराहम किए गए हैं। अनेक जाने-माने अर्थशास्त्रियों का मत है कि भारत के मुकाबले में ब्रिटेन एक विकसित अर्थव्यवस्था है। हालांकि ब्रिटिश अर्थव्यवस्था की हालत आजकल खस्ता चल रही है। तमाम आर्थिक तरक्की के बावजूद अभी तक भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। मुक्त व्यापार समझौते के तहत ब्रिटेन और भारत के लिए आयात शुल्क (टैरिफ) की दरों को तकरीबन समान स्तर पर ला दिया गया है। ऐसी स्थिति में विकसित अर्थव्यवस्था वाला ब्रिटेन खुली प्रतिस्पर्धा में भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था को गहन क्षति पहुंचा सकता है। ब्रिटेन से भारत को निर्यात किए गए सामान पर औसतन आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर केवल 3 प्रतिशत तक रह जाएगा। उन्नत ब्रिटिश कंपनियों के लिए अपना सामान बेचना अत्यंत आसान हो जाएगा। यह तो भविष्य ही बताएगा कि भारत की अपेक्षाकृत कमजोर कंपनियां उन्नत ब्रिटिश कंपनियों को कहां तक कड़ी टक्कर दे सकेंगी। ब्रिटेन में निर्मित वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, शराब, मांस, बिस्किट चॉकलेट आदि भारतीय बाजारों मे तहलका मचा सकती है।

पूंजी निवेश से भारत में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

इस धारणा के एकदम विपरीत कुछ अर्थशास्त्री का विचार है कि ब्रिटिश कंपनियों के द्वारा भारत में किए जाने वाले पूंजी निवेश से भारत में रोजगार में जबरदस्त अवसर उत्पन्न हो जाएंगे। भारतीय कंपनियों का ब्रिटेन में आसान प्रवेश भी भारत के लिए तकनीकी क्षेत्र में शानदार तरक्की की राह प्रशस्त कर देगा। भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों द्वारा प्रकट की गई परस्पर सहयोग की प्रबल भावना यदि शिक्षा और रक्षा क्षेत्रों में वास्तव में साकार हो उठेगी तो फिर भविष्य में एक शानदार इतिहास रचा जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते को ब्रिटिश संसद की मंजूरी लेनी पड़ेगी जो की लेबर पार्टी के ब्रिटिश संसद में विराट बहुमत के कारण आसानी से हासिल हो जाएगी। भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते को व्यवहारिक तौर से लागू होने में तकरीबन और एक वर्ष लग सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत और यूरोपीय यूनियन के मध्य विगत 18 वर्षों से ट्रेड डील पर वार्ताएं चलती रही हैं, किंतु अभी तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आ सका। भारत-ब्रिटेन ट्रेड डील को कम ही वक्त लगा है। सितंबर में भारत व ईयू एफटीए संभव है।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ट्रेड वार समस्त दुनिया के विरुद्ध शुरू कर दी गई है। इसका सीधा नतीजा सामने आया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था डगमगा कर हिचकोले खाने लगी है। दुनिया के ज्यादातर देशों को प्रतीत हो रहा है कि अमेरिका धमकी दे रहा है और इससे उनको आर्थिक नुकसान हो सकता है। अतः भारत व ब्रिटेन के मध्य एक अन्य महत्वपूर्ण समझौते की वार्ताएं निरंतर जारी हैं। इस समझौते के तहत भारत और ब्रिटेन के मध्य खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सकेगा। आर्थिक अपराधियों और नृशंस अपराधियों का प्रत्यर्पण संभव हो सकेगा। इस समझौता वार्ता के लागू के बाद ब्रिटेन में रहने वाले भारत के भगोड़े आर्थिक अपराधियों को भारत लाना आसान हो जाएगा। भारत को ब्रिटेन से कार्बन कर छूट भी प्राप्त करना चाहिए।

भारत-ब्रिटेन के बीच बढ़ेंगे आपसी व्यापार

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर की मौजूदगी में 24 जुलाई को हस्ताक्षर हुए हैं। पूरी दुनिया की निगाहें इस समझौते पर इसलिए लगी रही, क्योंकि भारत बढ़ते भूराजनीतिक ध्रुवीकरण के बीच अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए की अंतिम कवायद में लगा है।

भारत-ब्रिटेन का यह एफटीए इसी वर्ष दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहे भारत और छठी बड़ी अर्थव्यवस्था ब्रिटेन के बीच व्यापार के लिए नए मापदंड स्थापित करते हुए दिखाई दे रहा है। भारत का ब्रिटेन के साथ यह अब तक का ऐसा ऐतिहासिक एफटीए है, जो दुनिया के प्रमुख देशों के लिए भारत के साथ तत्परता से मुक्त व्यापार समझौतों की डगर पर आगे बढ़ने की नजीर बनते हुए दिखाई दे रहा है। इस एफटीए से भारत और ब्रिटेन के बीच वर्ष 2030 तक व्यापार दोगुना होकर 120 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस एफटीए से दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। महत्वपूर्ण है कि हाल ही में जब अमेरिका-चीन में नई सुलह के बाद अमेरिका ने चीन के उत्पादों पर आयात शुल्क घटा दिए हैं, तब भारत के द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की डगर पर तेजी से बढ़ना लाभप्रद दिखाई दे रहा है।

शून्य टैरिफ का लाभ मिलेगा

इस एफटीए से ब्रिटेन के बाजारों में भारत को लगभग 99 फीसदी उत्पादों पर शून्य टैरिफ का लाभ मिलेगा और भारतीय वस्तुओं के लिए ब्रिटेन के बाजार में चीनी उत्पादों और अन्य देशों के उत्पादों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। एफटीए उभरते उत्पादों के लिए नए बाजार तक पहुंच बनाता है, जिससे किसानों को घरेलू मूल्य अस्थिरता के खिलाफ मदद मिलेगी।

कृषि उत्पादों पर रियायत नहीं

खास बात यह है कि भारत संवेदनशील क्षेत्रों- डेयरी उत्पाद, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई टैरिफ रियायत नहीं दे रहा है। एफटीए ब्रिटेन को निर्यात बढ़ाने के लिए एक सशक्त मंच तैयार करेगा। कम टैरिफ और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के साथ, भारतीय तिलहन निर्यातक ब्रिटेन के बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं, जिससे संभावित रूप से निर्यात में वृद्धि हो सकती है। मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत से कपड़ा आयात पर शुल्क समाप्त कर दिया गया है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता बढ़ गई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एफटीए के तहत टैरिफ उन्मूलन के साथ, ब्रिटेन को इंजीनियरिंग निर्यात अगले पांच वर्षों में लगभग दोगुना हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है, साथ ही स्मार्टफोन, ऑप्टिकल फाइबर केबल और इनवर्टर के कारण ब्रिटेन के बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी। सॉफ्टवेयर और आईटी-सक्षम सेवाओं के लिए ब्रिटेन की महत्वाकांक्षी प्रतिबद्धताएं, नए बाजारों को खोलने, रोजगार

सृजन को बढ़ावा देने और भारतीय सॉफ्टवेयर फर्मों के लिए निर्यात क्षमता को बढ़ाएगी। एफटीए के तहत शून्य टैरिफ प्रावधानों से ब्रिटेन के बाजार में भारतीय जेनेरिक दवाओं की उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जो यूरोप में भारत का सबसे बड़ा दवा निर्यात गंतव्य बना हुआ है। शुल्क मुक्त पहुंच से प्लास्टिक, फिल्म, शीट, पाइप, पैकेजिंग, टेबलवेयर और किचनवेयर के लिए ब्रिटेन की मजबूत मांग का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां भारत ने विनिर्माण क्षमता सिद्ध कर ली है। भारत को ब्रिटेन के प्रमुख आयात स्रोतों जैसे जर्मनी, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड, बेल्जियम और फ्रांस के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा समझौते

यह भी उल्लेखनीय है कि एफटीए के साथ ही दोनों देशों ने दोहरे अंशदान समझौते या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर भी मुहर लगाई है। इस समझौते से ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा भुगतान से तीन साल की छूट मिलेगी। इस करार से ब्रिटेन में न केवल कुशल, पेशेवर श्रमिकों के हितों की रक्षा होगी बल्कि भारतीय सेवा प्रदाताओं को बहुआयामी वित्तीय लाभ भी होंगे। तमाम ब्रिटिश व भारतीय कारोबारियों को तकनीक और ग्रीनटेक में साथ मिलकर काम करने का मौका मिलेगा। ब्रिटेन ने ब्रिटिश उत्पादों खासतौर से खाने के सामान से लेकर पेय पदार्थ के लिए भारत की उपभोक्ता प्रधान अर्थव्यवस्था और 140 करोड़ से अधिक ग्राहकों के बड़े बाजार तक सरल पहुंच निश्चित की है। इसमें कोई दो मत नहीं कि अमेरिका द्वारा लागू की जा रही संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के कारण वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल को देखते हुए भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में तत्परता दिखाई है।

यह करार मील का पत्थर

यह भारत के साथ ब्रिटेन की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के ब्रिटेन के महत्वाकांक्षी एजेंडे का हिस्सा भी है। इस एजेंडे के तहत ब्रिटेन भारत को विश्व के महाशक्ति देशों के बीच अहम स्थान प्रदान करता है। उम्मीद करें कि यह मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा। ब्रिटेन के साथ भारत का एफटीए अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ चल रही एफटीए वार्ताओं में एक मॉडल के रूप में काम करेगा और अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

समझौते से भारत को लाभ

एफटीए के तहत 6.5 अरब डॉलर यानी 45 प्रतिशत भारतीय निर्यातों (वस्त्र, जूते, कालीन, वाहन, समुद्री भोजन, अंगूर एवं आम जैसे उत्पाद) को ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। पहले इन पर चार प्रतिशत से लेकर 16 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। शेष आठ अरब डॉलर के उत्पाद (पेट्रोलियम, दवा, हीरे और विमान के पुर्जे) को पहले से ही शून्य शुल्क पर पहुंच हासिल है। ब्रिटेन ने चावल जैसे कुछ कृषि उत्पादों को छोड़कर सभी भारतीय वस्तुओं पर शुल्क समाप्त करने पर सहमति जताई है।

समझौते से ब्रिटेन को लाभ

ब्रिटेन से भारत को होने वाले 8.6 अरब डॉलर के निर्यात पर 94 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क लगता है। एफटीए में भारत 90 प्रतिशत ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा। साल्मन मछली, विमान के पुर्जे, मशीनरी जैसे 64 प्रतिशत ब्रिटिश सामान पर तुरंत शुल्क हट जाएगा। 26 प्रतिशत वस्तुओं पर अगले 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से शुल्क हटाया जाएगा।

एफटीए डील से किसानों को होगा लाभ

कृषि क्षेत्र
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार के लिए व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारत की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बना है। इस समझौते ने कृषि-निर्यात, मूल्य-वर्धित उत्पादों और ग्रामीण समृद्धि में एक बड़ी छलांग के लिए मंच तैयार किया है। यह समझौता भारतीय कृषि, समुद्री उत्पाद, वस्त्र, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स सहित कई अन्य प्रमुख क्षेत्रों के लिए ब्रिटेन के बाजारों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। इससे भारतीय निर्यात में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद है। कई उत्पाद भारत में और भी सस्ते हो जाएंगे। भारत का दावा है कि यह समझौता वर्ष 2030 तक भारत-ब्रिटेन व्यापार को दोगुना यानि 60 अरब डॉलर से 120 अरब डॉलर तक कर देगा। ज्ञात है कि कृषि ग्रामीण भारत की आजीविका और आर्थिक सुरक्षा की आधारशिला है, इसलिए भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते में किसानों के हितों का विशेष ख्याल रखा गया है। मुक्त व्यापार समझौते से भारतीय कृषि उद्योग को स्थानीय से वैश्विक स्तर तक पहुंचने में मदद मिलेगी। एफटीए से सबसे बड़ा फायदा भारतीय किसानों को मिलेगा, क्योंकि इनके उत्पाद अब प्रीमियम ब्रिटिश बाजार तक आसानी से पहुंच पाएंगे। कुछ प्रमुख फसलों पर अब टैरिफ खत्म किया गया है। लगभग 95 फीसदी कृषि शुल्क लाइनों पर जीरो ड्यूटी फीस का प्रावधान किया गया है। खेती-किसानी के क्षेत्र से जुड़ी जिन भारतीय फसलों और वस्तुओं पर जीरो ड्यूटी का प्रावधान है, उससे भारतीय उत्पादों को यूके के मार्केट में लैंडिंग लागत में कमी आएगी और भारतीय किसानों की आय बढ़ेगी।

कृषि क्षेत्र के लिए अवसर

गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन के लिए प्रोत्साहन बढ़ेगा और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार बढ़ेंगे। जीरो ड्यूटी वाली फसलें और पदार्थों में हल्दी, काली मिर्च, इलायची, आम का गूदा, अचार, दालें, फल, सब्जियां और अनाज, मसाला मिश्रण और खाने के लिए तैयार भोजन शामिल हैं। ये सामान ड्यूटी फ्री होकर यूके पहुंचेंगे। इससे पहले किसानों को अपनी आय का एक हिस्सा एक्सपोर्ट ड्यूटी के तौर पर देना होता था। ये ड्यूटी फ्री होने के बाद किसान टैक्स की चिंता छोड़ सकेंगे। उन्हें यूके के मार्केट्स में अपने प्रोडक्ट्स का पहले से बेहतर दाम मिल सकेगा।

यूके में प्रीमियम कॉस्ट मिलेगी

इस समझौते के बाद यूके में एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स की लैंडिंग कॉस्ट कम हो जाएगी। इस कारण रिटेल चेन और मेनस्ट्रीम मार्केट के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे भारतीय किसानों को यूके के मार्केट में उनके प्रोडक्ट्स की प्रीमियम कॉस्ट मिलेगी। डील के जरिए बाजरा, जैविक जड़ी-बूटियां जैसे नए प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट के मौके मिलेंगे। इससे किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा। भारत ग्लोबल लेवल पर एग्रीकल्चर प्रोडक्ट का लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट करता है। इसमें ब्रिटेन को उसका एक्सपोर्ट करीब सात हजार करोड़ रुपये का है।

ब्रिटेन को भारतीय किसानों के लिहाज से हाई वैल्यू मार्केट माना जाता है। इतना ही नहीं, ड्यूटी फ्री होने से अगले तीन साल में एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट में 20 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। भारत ने 2030 तक 100 बिलियन डॉलर के एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट का लक्ष्य रखा है। इस डील से ये लक्ष्य पूरा हो सकेगा। अभी भारत से भेजे जाने वाले प्रोडक्ट्स पर लगभग चार से आठ प्रतिशत तक एक्सपोर्ट ड्यूटी लगती है। कृषि के क्षेत्र में ब्रिटेन 37.52 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का आयात करता है, जबकि भारत से आयात केवल 81.1 करोड़ डॉलर का ही होता है। लेकिन एफटीए लागू होने के बाद भारत के किसानों के उत्पादों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजारों को खोलेगा। उच्च-मार्जिन वाले ब्रांडेड उत्पादों जैसे कॉफी, मसाले, पेय पदार्थ और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात में भी मदद मिलेगी। देश के विभिन्न राज्यों के किसानों को एफटीए से लाभ होने की संभावना है। बासमती चावल उत्पादक पंजाब और हरियाणा, अंगूर और प्याज उत्पादक महाराष्ट्र, मूंगफली व कपास उत्पादक गुजरात, मसाला उत्पादक केरल और बागवानी के लिए पूर्वोत्तर राज्यों को फायदा होगा। वहीं एफटीए से भारत के मत्स्य उद्योग को भी बड़ा फायदा होगा, खासकर आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु जैसे तटीय राज्यों में। झींगा, टूना, फिशमील और पशु आहार जैसे 99 फीसदी समुद्री उत्पादों पर अब कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा, जबकि अभी इन पर 4.2 से 8.5 फीसदी ड्यूटी लगती है। इससे भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। ब्रिटेन का समुद्री आयात बाजार 5.4 अरब डॉलर का है, जो भारत के ब्लू इकॉनमी के लिए बड़ा मौका है। इसके अलावा यह समझौता भारत के कॉफी, चाय, मसाले और अन्य पेय पदार्थों जैसे ब्रांडेड उत्पादों के निर्यात को भी बढ़ावा देगा। अभी भारत की कुल कॉफी निर्यात में यूके की हिस्सेदारी 1.7 फीसदी, चाय में 5.6 फीसदी और मसालों में 2.9 फीसदी है। शुल्क खत्म होने से ये सेक्टर तेजी से बढ़ेंगे। खासकर भारतीय इंस्टेंट कॉफी को जर्मनी और स्पेन जैसे यूरोपीय देशों से मुकाबला करने में मदद मिलेगी। कुल मिलाकर ये कहा जा रहा है कि एफटीए से भारत के कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के लिए ब्रिटिश बाजार में नये अवसर पैदा होंगे। इस समझौते के बाद न केवल मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि भारतीय कारीगरों, बुनकरों, दिहाड़ी मजदूरों की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फिर भी ऐसा नहीं है कि इस डील में सब कुछ अच्छा ही अच्छा है। हर डील के अच्छे और बुरे पक्ष होते हैं। ऐसे में इस डील के भी कुछ नुकसान हैं, खासकर भारत के कुछ सेक्टरों के लिए। डेयरी और पोल्ट्री उद्योग को ब्रिटेन से सस्ते आयात का खतरा हो सकता है, क्योंकि ब्रिटेन ने अपने डेयरी उत्पादों के लिए बाजार में पहुंच की मांग की है। भारत ने अभी डेयरी क्षेत्र तक ब्रिटेन को पहुंच नहीं दी है।

दुग्ध किसानों पर संकट का भय

भारतीय दुग्ध किसानों का कहना है कि सस्ते आयात से स्थानीय उत्पादकों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। सुनने में यह आकर्षक लगता है, खासकर जब 99 फीसदी भारतीय निर्यातों को ब्रिटिश बाज़ार में ड्यूटी-फ्री प्रवेश और 90 फीसदी ब्रिटिश आयातों पर औसत शुल्क 15 फीसदी से घटाकर तीन फीसदी किया गया है। लेकिन क्या यह व्यापार को वास्तव में पांच साल में दोगुना करने के लिए पर्याप्त है? व्यापार के आंकड़े कुछ और ही कहते हैं वित्त वर्ष-23 में व्यापार में वृद्धि, 16.8 फीसदी, वित्त वर्ष-24 में गिरावट 4.8 फीसदी, वित्त वर्ष-25 में मामूली सुधार 8.5 फीसदी सेवा क्षेत्र के व्यापार के आंकड़े तो मौजूद ही नहीं हैं, ऊपर से अमेरिका द्वारा शुरू किए गए टैरिफ युद्ध ने वैश्विक व्यापार को पहले ही संकट में डाल दिया है।

रुद्रप्रयाग में बादल फटा, घर-गाड़ियां मलबे में, ग्वालियर में 90 साल का टूटा रिकार्ड

रुद्रप्रयाग

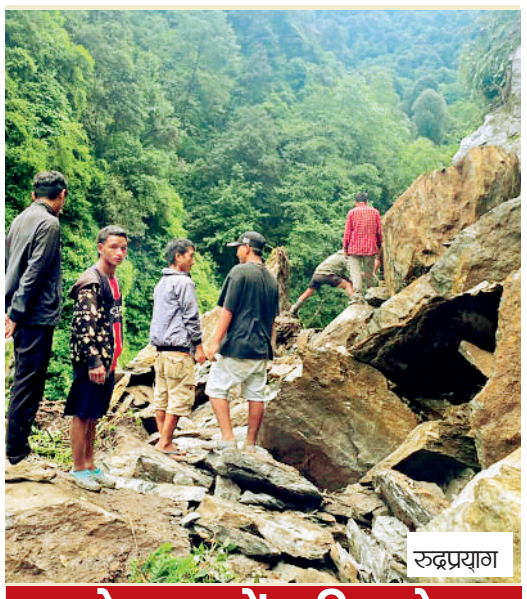

देशभर में बारिश से हाहाकार, उत्तर, मध्य पूर्वोत्तर भारत में जमकर पानी

गुरुग्राम

कोलकाता

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देशभर में इन दिनों बारिश ने कहर बरपाया हुआ है। एमपी, छत्तीसगढ़, यूपी, झारखंड, सहित उत्तर, मध्य पूर्वोत्तर भारत में जमकर बारिश हो रही है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बादल फटने से भारी तबाही हो गई है। केदार घाटी में यह बादल फटा है जिस वजह से कई घर मलबे में दब चुके हैं। इस समय गौरीकुण्ड के समीप केदारनाथ धाम जाने वाले पैदल मार्ग पर भी पत्थर पड़े हुए हैं, पूरा रास्ता बाधित चल रहा है। इस समय पूरे उत्तराखंड में भारी बारिश का दौर जारी है, मौसम विभाग ने भी कई जिलों के लिए अलर्ट जारी कर रखा है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में भी बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से लोग हलाकान हैं।

ग्वालियर

कोलकाता में रात भर बारिश, बंगाल के कई इलाके जलमग्न

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण, कोलकाता और दक्षिण बंगाल के कई जिलों में शनिवार को भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, कोलकाता बीरभूम सहित कई शहरों अगले चार दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहेगी।

एमपी के 30 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मध्य प्रदेश में हो रही भारी बारिश से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। बांध पूरी तरह भर गए हैं, इसलिए उनके गेट खोले जा रहे हैं। बीते 24 घंटे में पचमढी में 91 मिलीमीटर, बैतूल में 30 मिलीमीटर और भोपाल में 33 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। भोपाल में कई सड़कें बंद हैं। इसी तरह राज्य के अन्य हिस्सों में भी बारिश दर्ज की गई है। ग्वालियर में आज़ादी के बाद सबसे भारी बारिश हुई है, 90 साल का रिकॉर्ड टूटा है। यहां पिछले 24 घंटे में हुई 180 मिमी बारिश के साथ ही जुलाई 2025 में अब तक 674 मिमी बारिश हो चुकी है, जो जुलाई 1935 में दर्ज 623 मिमी बारिश को भी पीछे छोड़ चुकी है।

भारत मालदीव के साथ संबंधों की मजबूती को लेकर उत्सुक : मोदी

एजेंसी ▸▸ माले

■ मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह पर चीफ गेस्ट बने भारतीय पीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदीव के उपराष्ट्रपति उज हुसैन मोहम्मद लतीफ सहित देश के प्रमुख नेताओं से मुलाकात के दौरान शनिवार को कहा कि भारत मालदीव के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक है। मोदी दो दिवसीय यात्रा के तहत मालदीव में हैं। उन्होंने लतीफ के साथ भारत-मालदीव संबंधों के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' लिखा, ''हमारे देश बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। यह हमारे देशों के लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी है। हम आगामी वर्षों में इस साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हैं।'' प्रधानमंत्री ने मालदीव के स्वतंत्रता दिवस की 60वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। बता दें पीएम मोदी मालदीव के स्वतंत्रता दिवस पर चीफ गेस्ट बने।

पूर्व राष्ट्रपति नशीद से भी मुलाकात

मोदी ने मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद से भी मुलाकात की। मोदी ने कहा, ''वह (नशीद) भारत एवं मालदीव की गहरी मित्रता के हमेशा से प्रबल समर्थक रहे हैं। उनसे इस बारे में बात की कि मालदीव हमारी 'पड़ोसी प्रथम' नीति और महासागर दृष्टिकोण का कैसे हमेशा एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहेगा।''

राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष

मालदीव के उपराष्ट्रपति लतीफ ने कहा, ''इस वर्ष भारत के साथ औपचारिक राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष पूरे हो रहे हैं, इसलिए प्रधानमंत्री और मैंने हमारे देशों की मित्रता और पारस्परिक सहयोग की यात्रा पर विचार-विमर्श किया। मुझे उम्मीद है कि भारत के साथ हमारा मज़बूत सहयोग बढ़ने के साथ और मजबूत होता रहेगा।'' मोदी ने 'पीपुल्स मजलिस' (मालदीव की संसद) के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, ''हमने हमारी संसदों के बीच घनिष्ठ संबंधों समेत भारत-मालदीव की गहरी मित्रता पर चर्चा की।'' प्रधानमंत्री ने 20वीं मजलिस में भारत-मालदीव संसदीय मैत्री समूह के गठन का भी स्वागत किया।

मुझे दुख है कि मैंने ऐसी सरकार को समर्थन दिया : चिराग

चुनाव से पहले नीतीश सरकार पर लोजपा का वार

पटना। केंद्रीय मंत्री व लोजपा चीफ चिराग पासवान ने नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बिहार में एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं की श्रृंखला सी बन गई है। प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह नतमस्तक दिख रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसी घटनाएं कम क्यों नहीं हो रही हैं? बिहार में हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। मुझे इस बात का दुख है कि मैं ऐसी सरकार को

समर्थन कर रहा हूं, जहां अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। यहां बिहारी सुरक्षित नहीं है। जरूरत है कि सरकार समय रहते चेत जाए। आपको बता दें कि बिहार में पिछले कुछ दिनों में हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बीते दिनों पटना के एक प्रसिद्ध व्यापारी गोपाल खेमका की दिनदहाड़े सड़क पर वहीं गैंगस्टर चंदन मिश्रा की अस्पताल में गोली मारकर हत्या हुई थी। इसके बाद बिहार के कई जिलों से हत्याओं, लूट-बलात्कार की खबरें आईं।

इधर राजद में हुआ बड़ा बदलाव राबड़ी देवी बनाई गईं उपाध्यक्ष

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आरजेडी बेहद आक्रामक है। चुनाव से पहले राज्य में संगठन के स्तर पर बड़े बदलाव किए गए हैं और आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के अलावा राबड़ी देवी को पार्टी का नया उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा इस लिस्ट में शामिल जगदानंद सिंह को भी उपाध्यक्ष का पद दिया गया है। इसी महीने की शुरुआत में आरजेडी ने अध्यक्ष चुनाव कराए थे और 13वीं बार लालू यादव निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद से ही लगातार आरजेडी में संगठन के स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं।

ईरान की अदालत में आतंकी हमला, आठ की मौत

एजेंसी ▸▸ तेहरान

■ कोर्ट में चले ग्रेनेड, तीन आतंकी भी ढेर

दक्षिण-पूर्वी ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बड़ा हमला हुआ है। ये हमला एक कोर्ट बिल्डिंग में किया गया है, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हुई है और 20 से ज्यादा घायल हैं। ईरान सरकारी टीवी ने बताया है कि अदालत भवन पर तीन अज्ञात हमलावरों ने ग्रेनेड से हमला किया, जिसमें एक मां और बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। वहीं घायलों में कई की हालत नाजुक है, ऐसे में मरने वालों की तादाद और बढ़ने का अंदेशा है।

हमले के पीछे कौन?

हमले की जगह ईरान की राजधानी तेहरान से 1,130 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि फिलहाल हालात काबू में हैं। तस्नीम समाचार एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट ने इस हमले के लिए जैश अल-अदल को जिम्मेदार ठहराया है। यह गुट ईरान के पूर्वी सिस्तान और पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांतों की आजादी की बात कहता है।

यहां हुआ हमला

स्थानीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सरकारी समाचार एजेंसी इरना को बताया कि सिस्तान-बलूचिस्तान की राजधानी जाहेदान स्थित एक अदालत भवन में बंदूकधारियों ने अंधाधुंध फायरिंग की और हथगोले फेंके। ईरानी मीडिया के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए तीन बंदूकधारियों को मार गिराया। ईरान में ये हमला ऐसा समय हुआ है, जब उसके इजरायल के साथ संबंध बेहद तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं।

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा! खाड़ी में गिरी कार

एजेंसी ▸▸ नवी मुंबई

नवी मुंबई के बेलापुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शुक्रवार रात करीब 1 बजे गूगल मैप के सहारे जा रही एक महिला अपनी कार के साथ खाड़ी में जा गिरी।

महिला बेलापुर से उल्वे की तरफ जा रही थी। गूगल मैप पर महिला को ब्रिज के ऊपर का रास्ता नहीं दिखा बल्कि नीचे से जाने का मार्ग दिखाई दिया। जिसके बाद महिला नीचे गई और सीधे खाड़ी में जा गिरी। वहां मौजूद सागरी सुरक्षा बल के लोगों ने इस घटना को देख लिया। जब सुरक्षाबल के लोग नजदीक पहुंचे तो देखा कि महिला उसमें तैर रही है। तुरंत सुरक्षा रक्षकों ने उसे बाहर निकाला और बाद में क्रेन की मदद से कार को भी बाहर निकाला गया।

इसके बाद महिला को सुरक्षित घर पहुंचाया गया। बता दें कि गूगल मैप के चलते पहले भी भारत में इस प्रकार की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में हर दिन सैकड़ों लोग रोड एक्सीडेंट की वजह से अपनी जिंदगी से हाथ धो बैठते हैं। ऐसे में वाहन चलाते समय पूरी तरह अलर्ट रहें। एक गलती आपके जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

आधिपत्य सूचना
HDFC BANK
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर
Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com
जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम / कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री सिंग अमित कुमार,** 27 खोली, इंद्रसेन नगर, मंगला चौक के पास, बिलासपुर (एम.कॉर्प) बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती सिंग रिंकी,** 27 खोली, इंद्रसेन नगर, मंगला चौक के पास, बिलासपुर (एम.कॉर्प) बिलासपुर-छ.ग.-495001.	₹5,73,404/- दिनांक 31 मई 23 * तक	20-जून-2023	25-जुलाई-2025 (भौतिक कब्जा)	फ्लैट, द्वितीय तल -357, ब्लॉक नं. 30, फ्लोर-2, अभिलाष परिसर, ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट्स, तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.)

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।
हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्जा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।
विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा।
उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध है, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी
स्थान-बिलासपुर, दिनांक : 27.07.2025
रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाउस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013
ASA

www.pmfby.gov.in
पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS)
UIN: IRDAN126RP0002V02200708
''किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना'' खरीफ-2025 फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ
भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी® (AIC) द्वारा खरीफ 2025 में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में संचालित की जा रही है।
अधिसूचित फसलें : खरीफ राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - टमाटर, बैगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरूद
योजना की विशेषताएँ
● आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
● ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र दोनो खरीफ एवं रबी मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 31 जुलाई 2025 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
● अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
● जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र।
● बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।
आधार अनिवार्य किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 31.07.2025 से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें। फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।
अधिसूचित क्षेत्र आधार पर — आवरित जोखिम — स्थानीय आपदा एवं फसल विशेष के आधार पर
1) तापमान (कम, अधिक) 2) वर्षा (कम, अधिक, बेमौसम वर्षा) 3) वायु गति 4) कीट एवं व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम
1) ओलावृष्टि 2) चक्रवाती हवाएँ

क्र.सं	मौसम	अधिसूचित फसलें	स्थानीय आपदा हेतु जोखिम
1.	खरीफ	मिर्च, केला एवं पपीता	ओलावृष्टि
1.	खरीफ	केला एवं पपीता	चक्रवाती हवाएँ

हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)
• अधिसुचित क्षेत्र में स्थापित ''स्वाचालित मौसमी केन्द्र'' (AWS) से प्राप्त उपरोक्त लिखित सभी 4 अवरित जोखिमों के प्रमाणित आंकडों एवं अधिसुचित टर्मशीट के अनुसार दावा गणना की जायेगी।
• दावा राशि का भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया जावेगा।
• किसानों को फसल क्षति से संबंधित सूचना बीमा कम्पनी को देने की आवश्यकता नही है।
हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)
स्थानीय आपदाएँ से फसलों में नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर बीमित फसलों के ब्यौरे, क्षति की मात्रा, क्षति का कारण, फोटो इत्यादि के साथ यहाँ सूचित करें :-
राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ।
लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप।
जिला/तहसील स्तर के उद्यानिकी/कृषि/राजस्व कार्यालय।
बीमा कंपनी एवं भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर।
नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।

खरीफ	
1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	खरीफ - 5%
2. बैंक / प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति / लोक सेवा केन्द्र / ऑनलाईन पंजीकरण / बीमा अभिकर्ता / डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने / प्रीमियम जमा / खाते से प्रीमियम कटौती / बीमा कराने की अंतिम तिथि	31/07/2025

HO/25-26/1A/12
• किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 31-07-2025 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा / क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक / जिला सहकारी बैंक / प्राथमिक सहकारी समितियाँ / लोक सेवा केन्द्र (CSC) / भारत सरकार की बीमा पोर्टल / डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
• योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखे एवं उद्यानिकी / कृषि / राजस्व अधिकारी / बैंक / CSC एवं ए.आई.सी क्षेत्रीय / जिला / तहसील कार्यालय से संपर्क करें
AIC
भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली-110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia
कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447
फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ।।
विज्ञापन मात्र (नियम एवं शर्तें लागू)

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

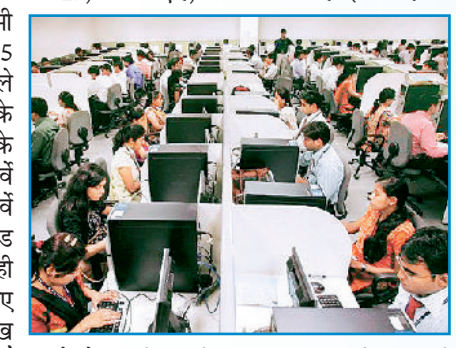

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

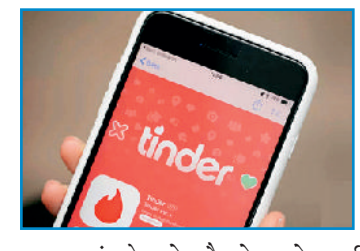

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी / गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

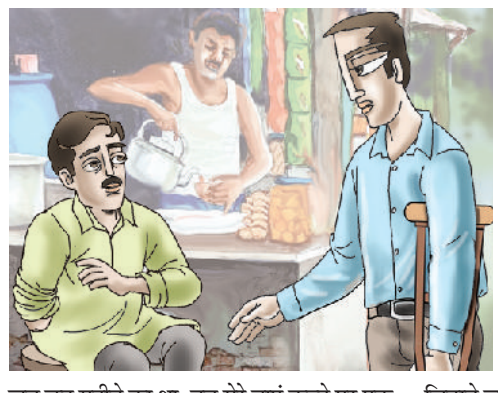

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं,
संपादक: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

तरकश

संजय के दीक्षित

अफसरों को सरकार की वार्निंग

34 हजार में स्टील का जग, एक हजार का चप्पल और एक लाख की टीवी...सरकारी खरीदी के इस एपिसोड ने आम आदमी को चौंकाया ही, सरकार को भी हिला कर रख दिया। हालांकि, इसके बाद सरकार हरकत में आई...ताजा अपडेट यह है कि सीएम सचिवालय ने सभी सचिवों और डायरेक्टर्स-कमिश्नरों को व्हाट्सएप मैसेज भेज कड़ी चेतावनी दी है। सचिवों और विभागाध्यक्षों से दो टूक कहा गया है कि फलां साहब ने बोला...फलां जी ने ऐसा करने कहा...नहीं चलेगा। आप खरीदी प्रक्रिया से लेकर उसके नियमों पर कड़ी नजर रखेंगे। और आगे से कोई भी गड़बड़ी होगी तो उसके लिए सीधे सचिव और एचओडी जिम्मेदार होंगे। जिला स्तर पर अगर कोई खरीदी हो रही तो निगरानी का दायित्व कलेक्टरों का होगा। अब देखना है कि इस चेतावनी से आएं-बाएं होने वाली सरकारी खरीदी पर कितना अंकुश लगता है?

वसूली का निज सचिव

सीएम सचिवालय ने सचिवों और एचओडी को चेतावनी जारी कर दिया मगर जब तक मंत्रियों के निज सचिवों को टाईट नहीं किया जाएगा, तब तक इसका कोई खास असर नहीं होगा। दरअसल, छत्तीसगढ़ में सरकारी खरीदी का नया ट्रेंड शुरू हो गया है। सचिवों का जो हिस्सा बनता था, वह मिल जा रहा मगर उसकी पूरी मॉनिटरिंग मंत्रियों के बंगले से हो रही है। 10 में से कम-से-कम आठ मंत्रियों के निज सचिव बंगले से पूरा खेल कर रहे हैं। बंगले से ही सप्लायरों से डील होती है। दो-एक मंत्री तो अपने निज सचिवों के जाल में फंसकर अपनी बरसों से बनी-बनाई छबि को तार-तार कर लिया है। खटराल निज सचिवों ने ऐसा चस्का लगा दिया कि पूछिए मत! आखिर, आई हुई लक्ष्मीजी को ठुकराने का साहस सबमें होता नहीं। ऐसे में, मंत्रियों के स्टॉफ की मनमानी बढ़ेगी ही। बात मिलियन की है...निज सचिवों पर सरकार ने अगर लगाम नहीं लगाया तो सरकार के साथ कई मंत्रियों की छबि धूल-धूसरित होगी। अब भला बताइये, अटलजी जैसे बीजेपी के प्रातः स्मरणीय नेता की प्रतिमा में कमीशन मांगा जाए तो फिर तो फिर इसके बाद कुछ बचता है क्या?

कलेक्टरों का खेल

1000 का चप्पल और एक लाख की टीवी पर सोशल मीडिया में खूब ट्रेंड हुआ...मगर यह कुछ भी नहीं है। 2020 से लेकर 2022 तक आत्मानंद अंग्रेजी स्कूलों में डीएमएफ से खरीदी में सूबे के कलेक्टरों ने जो खेल किया, उसके सामने ये कुछ भी नहीं है। कई जिलों में सप्लायर लाल हो गए...25 हजार का डिजिटल बोर्ड कलेक्टरों ने डेढ़ से दो लाख में खरीदा था। इसी तरह फर्नीचर से लेकर यूनिफार्म, स्कूलों का रिनोवेशन के काम में कलेक्टरों ने करोड़ों पिट डाला। ये अलग बात है कि जो पकड़ा गया वह चोर, जो बच गया ईमानदार। सरकार आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल की सिर्फ खरीदी की जांच करा दें तो कई आईएएस अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

कमिश्नर सिस्टम में रोड़ा?

छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने गृह विभाग ने पुलिस महकमे से रिपोर्ट मंगाई थी। फर्स्ट फेज में रायपुर और भिलाई-दुर्ग को मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट बनाने का प्लान था। रायपुर और दुर्ग पुलिस ने इसके लिए सरकार को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी थी। मगर चार महीने से ज्यादा हो गया, रायपुर में पुलिस कमिश्नर बिठाने कोई सुगबुगाहट नहीं है। हालांकि, पहले भी कई बार रायपुर और बिलासपुर में पुलिस कमिश्नर बिठाने की बातें हुई मगर उसका क्रियान्वयन नहीं हो पाया। अलबत्ता, पिछली सरकार ने कमिश्नर सिस्टम लागू-लागू करते-करते रायपुर रेंज को दो हिस्सों में बांट दिया था। दिसंबर 2024 में सरकार बदली तो दोनों को एक किया गया। बहरहाल, एमपी गवर्नमेंट ने भोपाल, इंदौर और जबलपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू कर दिया है। छत्तीसगढ़, बिहार जैसे बहुत कम राज्य बच गए हैं, जहां अभी तक पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू नहीं हो पाया है। बहरहाल, रायपुर अगर पुलिस कमिश्नरेट बन गया तो आईजी स्तर का कमिश्नर होगा, वहीं एसपी स्तर के कम-से-कम चार डिप्टी पुलिस कमिश्नर होंगे। राजधानी बनने के बाद रायपुर में 25 साल में जिस तरह किसिम-किसिम के क्राइम बढ़े हैं, उसमें कमिश्नर सिस्टम अब जरूरत बन गया है। जाहिर है, पुलिस में रिफार्म की दिशा में भी यह बड़ा प्रयास होगा।

अस्पताल की मौत!

ये शीर्षक आपको अटपटा लग सकता है...अस्पताल में मरीजों की मौत होती है...अस्पताल भला कैसे मर सकता है। मगर रायपुर के डीकेएस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संदर्भ में यह शीर्षक मौजूं है। बीजेपी की तीसरी सरकार के दौरान इस खाली पड़े मंत्रालय भवन को सुपरस्पेशलिटी अस्पताल बनाने का मसविदा तैयार किया गया था, उसे पढ़कर कोई भी चकित हो जाएगा। एम्स की तरह इसे डेवलप किया जाना था। इसके सिविल वर्क के लिए पीडब्लूडी ने 19 करोड़ का बजट दिया था। मगर सीजीएमएससी ने उसे नौ करोड़ में कंप्लीट कर दिया। तब सीजीएमएससी में 40 परसेंट वाला हिसाब-किताब शुरू नहीं हुआ था। बहरहाल, डीकेएस का मसविदा में स्पष्ट तौर पर लिखा था कि दिल्ली एम्स की तरह आईएएस को इस अस्पताल का प्रशासक बनाया जाएगा। देश के नामी डॉक्टरों का पैकेज की बात आई तो सिस्टम में बैठे लोगों ने कहा कि सात-आठ लाख रुपए से कम में कोई सुपरस्पेशिलिटी वाला डॉक्टर रायपुर नहीं आएगा और चूंकि चीफ सिकरेट्री का वेतन ढाई लाख है, इसलिए इससे अधिक डॉक्टरों को वेतन दिया नहीं जा सकता। इस पर तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री अजय चंद्राकर भड़क गए थे। बोले, चीफ सिकरेट्री का काम अलग है और डॉक्टर का काम अलग। चीफ सिकरेट्री राज्य की योजनाओं को एक्जीक्यूट करता है और डॉक्टर लोगों की जान बचाता है। इसलिए, अच्छे डॉक्टरों को बुलाने जितना लगे उतना देकर लाया जाए। बताते हैं, इसके लिए सीएम रमन सिंह भी तैयार हो गए थे। मगर अस्पताल पूर्ण स्वरूप में आता, तब तक विधानसभा चुनाव आ गया और सरकार चली गई। इसके बाद डीकेएस को सेपरेट संस्था बनाने और आईएएस पोस्ट करने की बजाए सिस्टम ने इसका गला घोंट दिया। डीकेएस को रायपुर मेडिकल कॉलेज के डीन के अधीन कर दिया गया। अब जरा सोचिए, जो लोग आंबेडकर अस्पताल को ठीक से नहीं चला पाए, वे सुपरस्पेशलिटी को कैसे चलाएंगे। और, वही हुआ...पिछले छह साल में डीकेएस अस्पताल तड़प-तड़पकर मरने जैसा हो गया। आज की तारीख में इस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल का कहीं कोई नाम नहीं सुनने में आता।

प्रायवेट अस्पतालों में हड़कंप

डीकेएस सुपरस्पेशलिटी के बारे में सरकार की प्लानिंग सुन प्रायवेट अस्पताल मालिक सहम गए थे। मंत्रालय से लेकर हर उस चौखट पर विरोध कराया गया, जहां से राहत मिल सकती थी। दरअसल, प्रायवेट अस्पताल की लॉबी नहीं चाहती कि कोई सरकारी अस्पताल सक्षम बने। यही वजह है कि सरकारी अस्पतालों में लाखों, करोड़ों की मशीनें तो खरीद ली जाती है मगर उसकी पेकिंग तक नहीं खोली जाती। और खुली भी तो महीने-दो महीने में कर दिया जाता है खराब घोषित। रायगढ़ निवासी मशहूर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ० राजीव राठी इस समय दिल्ली के मैक्स अस्पताल में हैं। अपने स्टेट को लेकर वे बड़े संजीदा रहते हैं। रमन सिंह की दूसरी पारी में उनके साथ स्वास्थ्य विभाग ने कंट्रेक्ट किया था कि महीने में दो बार रायपुर आकर वे आंबेडकर में मरीजों को देख जाए। मगर प्रायवेट अस्पताल से कमीशन लेने वाले आंबेडकर हॉस्पिटल के लोग बार-बार कैथलेब को खराब कर देते थे। ऐसे में, कई बार डॉ० राठी को उल्टे पावं दिल्ली लौटना पड़ा। आंबेडकर अस्पताल वालों का लक्षण देख डॉ० राठी ने रायपुर आना बंद कर दिया। उधर, डीकेएस सुपरस्पेशलिटी को फेल करने में आखिरकार 2019 में कामयाबी मिल गई। स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी कर डीकेएस को रायपुर डीन के अधीन कर दिया। इसके साथ ही एम्स जैसे सरकारी संस्थान बनाने की प्लानिंग भी ध्वस्त हो गई।

छोटे नवाब, फॉर्चूनर गाड़ी

एक वो भी समय था, जब सरकारी अफसरों को पोस्ट के अनुसार गाड़ी दी जाती थी। छत्तीसगढ़ बनने के बाद भी करीब 2010 तक कलेक्टर, एसपी के पास एंबेसडर कार होती थी और उनके नीचे के अधिकारियों के पास बोलेरो या स्वीफ्ट, इंडिगो जैसी गाड़ियां। मगर उसके बाद छत्तीसगढ़ की अफसरशाही में रामराज आ गया। अब आलम यह है कि गाड़ियों से आप पहचान नहीं पाएंगे कि किसमें सिकरेट्री, कलेक्टर या एसपी साहब होंगे और किसमें एसडीएम, एसडीओपी या कोई क्लास टू का अफसर। इन दिनों मलाईदार विभागों के क्लास टू के अफसर भी इनोवा में चलते हैं और कलेक्टर, एसपी और सिकरेट्री भी। सिस्टम में किसका ओहदा बड़ा है, किसका छोटा...सूबे में यह फर्क मिट गया है। छत्तीसगढ़ के बड़े नौकरशाहों ने अपना दिल इतना बड़ा कर लिया है कि इन छोटी-मोटी बातों से इत्तेफाक नहीं रखते। फिलहाल, शीर्षक के हिसाब से बात छोटे नवाब, फार्चूनर गाड़ी की तो, यह मसला ट्राईबल विभाग से जुड़ा है। जाहिर है, यह विभाग हाल में 32 हजार का जग खरीदने को लेकर परम कुख्याती हासिल कर चुका है। इस विभाग के कुछ असिस्टेंट कमिश्नर 35 लाख की फॉर्चूनर गाड़ियों में चलते हैं। वे बकायदा कलेक्टर की मीटिंगों में भी जाते हैं। इससे समझा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ में क्या चल रहा है।

फायनेंस का ब्रेकर खतम

हालांकि, वित्त विभाग का नियम है कि सरकारी अफसरों के लिए 10 लाख से अधिक की गाड़ियां नहीं खरीदी जा सकती। इससे अधिक की लेनी हो तो फायनेंस से स्वीकृति लेनी होगी। डीएस मिश्रा के फायनेंस सिकरेट्री रहते तक अफसर उनके आगे-पीछे चिरौरी करते रहते थे कि कृपा होने पर वे पंसदीदा गाड़ी खरीद सकें। मगर अब भारत सरकार की इतनी योजनाएं आ गईं कि फायनेंस से पूछने की कोई जरूरत नहीं। जो भी गाड़ी किराये से ले लो, बिल विभाग वहन करेगा। कई जिलों के कलेक्टर, एसपी जैसे अथॉरिटी माने जाने वाले अफसर भी किराये की गाड़ियों में आपको दिख जाएंगे। हालांकि, वित्त सचिव मुकेश बंसल ने कुछ महीने पहले किराये की गाड़िया हायर करने पर बंदिशें लगाई थीं मगर पता नहीं ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने अपना आदेश वापिस ले लिया।

आईपीएस की पार्टी

अरसे बाद रायपुर के पुलिस ऑफिसर्स मेस में आईपीएस की फेमिली पार्टी हुई। रायपुर में पोस्टेड सारे आईपीएस के साथ ही राजधानी के आसपास के जिलों के कप्तानों को भी इसमें बुलाया गया। आईएएस की तो अक्सर कोई-न-कोई पार्टी होती रहती हैं। मंत्रालय वाले महीने में एक लंच का आयोजन कर लेते हैं...साल में आईएएस कांक्लेव भी हो जाता है। मगर आईपीएस अधिकारी इस तरह की गैदरिंग न होने से दुखी रहते थे। चलिये आईएएस अधिकारियों की ये शिकायत दूर हुई।

छत्तीसगढ़ से उपराष्ट्रपति?

यूपीए शासनकाल में उप राष्ट्रपति के लिए छत्तीसगढ़ के मोतीलाल वोरा का नाम चर्चा में था। मगर बाद में कांग्रेस ने वोट बैंक की दृष्टि से हमीद अंसारी को उप राष्ट्रपति बनाना मुनासिब समझा। इस समय जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से देश की दूसरी सबसे बड़ी कुर्सी खाली है। भारत निर्वाचन आयोग ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रॉसेज प्रारंभ कर दिया है। रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति हो गई है। बहरहाल, छत्तीसगढ़ के पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने सात बार के सांसद तथा तीन राज्यों के राज्यपाल रहे रमेश बैस को इस चेयर पर बिठाने का पत्र लिखा है। हालांकि, विशुद्ध रूप से बैज द्वारा छोड़ा गया यह सियासी शगूफा है। मगर यह भी सत्य है कि उप राष्ट्रपति बनने लायक छत्तीसगढ़ में दो बड़े फेस तो हैं। इनमें से एक की किस्मत तो बड़ी तगड़ी है। वैसे भी राजनीति में कब किसके सितारे बुलंद हो जाए और कब बूझ जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता।

'टाटा' को झटका

ग्राम पंचायतों में नेटवर्किंग का काम करने वाली टाटा कंपनी को बड़ा झटका लगा है। भारत नेट परियोजना के तहत उसे पांच हजार से अधिक गांवों में इंटरनेट के लिए फाइबर बिछाना था। मगर 1600 करोड़ पेमेंट हो जाने के बाद भी पता चल रहा कि 50 के करीब गांव में ही इंटरनेट फंक्शन कर रहा है। टाटा कंपनी के खिलाफ 'चिप्स' ने तगड़ा एक्शन लेते हुए न केवल टेंडर निरस्त कर दिया है बल्कि 170 करोड़ की बैंक गारंटी जब्त कर ली है। जाहिर है, टाटा जैसी कंपनी का इतने बड़े स्तर पर कहीं बैंक गारंटी सीज नहीं हुई होगी। असल में, टाटा नेटवर्किंग कंपनी के अधिकारियों ने काम ही ऐसा किया...क्रेडिबल कंपनी का रेपो खुद से खराब कर दिया।

मंत्रिमंडल विस्तार

जिस तरह जगदीप धनखड़ ने उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर पूरे देश को चौंका दिया, उसी तरह भारतीय जनता पार्टी के नेता विष्णुदेव कैबिनेट का विस्तार की सूचना देकर लोगों को चकित कर दें तो बात अलग है। वरना, मंत्रिपरिषद विस्तार का मामला अब ठंडे बस्ते में ही समझिए। इस समय स्थिति यह है कि मंत्रिमंडल विस्तार पर सरकार से लेकर बीजेपी तक कोई बात करने तैयार नहीं है। मंत्री पद के दावेदारों को अब थोड़ी-बहुत उम्मीद बची है तो बिहार चुनाव से। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव है। यादव वोटरों पर डोरे डालने बीजेपी गजेंद्र यादव को मंत्री बना सकती है। संघ पृष्ठभूमि के गजेंद्र का नाम शुरू से चर्चाओं में है। सियासी पंडितों का कहना है कि गजेंद्र के भरोसे मंत्रिमंडल विस्तार हो गया तो ठीक है, नहीं तो फिर 10 मंत्रियों के भरोसे ही सब कुछ चलता रहेगा...जैसा कि इस समय चल रहा है।

अंत में दो सवाल आपसे

1. सिकरेट्री या प्रिंसिपल सिकरेट्री रैंक के आईएएस को स्टेट कैपिटल रीजन का सीईओ बनाया जाएगा, आप इस लायक तीन अफसरों का नाम बताइये?
2. आगरा यूनिवर्सिटी से छत्तीसगढ़ का क्या कनेक्शन है कि वहां के दो-दो प्रोफेसर यहां कुलपति बन गए?

एनएमसी रिश्वतखोरी के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

दो का जमानत आवेदन पहले ही खारिज हो चुका, सीट बढ़ाने 55 लाख रुपए रिश्वत लेने का आरोप

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

रावतपुरा मेडिकल कालेज में सीट बढ़ाने 55 लाख रिश्वत लेकर ओके रिपोर्ट देने के मामले में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को जेल में बंद चार आरोपियों का जमानत आवेदन खारिज कर दिया है। दो लोगों की जमानत याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है। बचाव पक्ष के वकील ने जमानत आवेदन पेश करते हुए आरोपियों के दूसरे स्टेट के होने तथा सीबीआई जांच में सहयोग की बात का उल्लेख करते हुए जमानत आवेदन पेश किया था।

रिश्वत मामले में सीबीआई कोर्ट ने जिन आरोपियों का जमानत आवेदन खारिज किया है, उनमें निरीक्षण दल के सदस्य डॉ. अशोक शेल्के, डॉ. चैत्रा एमएस, हवाला कनेक्शन से पैसा लेने वाला सथीष ए. तथा चैत्रा के पति रविचंद्र के. का नाम शामिल है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चारों की जमानत याचिका खारिज की है। कोर्ट रावतपुरा मेडिकल कालेज के डायरेक्टर अतुल कुमार तिवारी तथा निरीक्षण दल के प्रमुख डॉ. मंजप्पा सीएन की जमानत याचिका पहले ही खारिज कर चुकी है। रावतपुरा मेडिकल कालेज का निरीक्षण करने पहुंची एनएमसी की चार सदस्यी टीम 30 जून को रायपुर आई थी। आरोप है कि निरीक्षण टीम के साथ रावतपुरा मेडिकल कालेज के डायरेक्टर ने षड़यंत्र कर सीट बढ़ाने रिश्वत की पेशकश की थी। इसके बाद निरीक्षण टीम के सदस्यों के पास हवाला रैकेट के माध्यम से निरीक्षण टीम के सदस्यों के पास 55 लाख रुपए पहुंचाए गए।

अनुमति की जरूरत नहीं, 100 दिन के भीतर होगा डायवर्सन प्रभावित भूमि मालिक को मिलेगा 42 प्रतिशत विकसित प्लॉट

नया विहार में अधिग्रहण से प्रभावित भूमि मालिकों को मिलेगा ज्यादा फायदा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

नवा रायपुर क्षेत्र में नगर विकास योजना अंतर्गत कौशल्या विहार (कमल विहार) की तर्ज पर प्रस्तावित नया विहार प्रोजेक्ट में प्रभावित भूमि मालिकों को ज्यादा फायदा होगा। एनआरडीए ने इस प्रोजेक्ट में भूमि मालिक को 42 प्रतिशत विकसित प्लॉट देने का प्रावधान रखा है। इस प्रोजेक्ट में भूमि मालिकों को लैंड यूज बदलवाने एवं डायवर्सन कराने के लिए चक्कर काटना नहीं पड़ेगा, क्योंकि इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी। प्रभावित क्षेत्र का पहले ही लैंड यूज बदल दिया जाएगा, वहीं डायवर्सन भी 100 दिनों के भीतर उन्हें मिल जाएगा। इस तरह इस प्रोजेक्ट से प्रभावित भूमि मालिकों को विकसित प्लॉट मिलेगा, जो एक स्मार्ट शहर से कम नहीं होगा।

रायपुर और नवा रायपुर के बीच सड़क कनेक्टिविटी बढ़ाने तथा स्मार्ट सिटी के रूप में गांवों को बसाने के उद्देश्य से लाए जा रहे इस प्रोजेक्ट के लिए नवा रायपुर क्षेत्र के 6 गांव को शामिल किया गया है। इनमें ग्राम बरौंदा, रमचंडी, रीको, मंदिरहसौद, सेरीखेड़ी और नकटी है। ये सभी गांव रायपुर एवं आरंग तहसील क्षेत्र से लगे हुए हैं। इन गांवों की लगभग 436 हेक्टेयर भूमि को अधिग्रहण के लिए चिन्हांकित किया गया है। हालांकि एनआरडीए इस प्रोजेक्ट में एक रुपए भी खर्च नहीं करेगा, क्योंकि इस प्रोजेक्ट को ऐसी कंपनी या बिल्डरों से अनुबंध करेगा जो भूमि अधिग्रहण करने से लेकर इस क्षेत्र को स्मार्ट शहर की तरह विकसित करेगी।

कमल विहार की तर्ज पर प्रस्तावित नया विहार प्रोजेक्ट में भी चयनित क्षेत्र में चौड़ी सड़कें, पानी, अंडरग्राउंड बिजली, ड्रेनेज सिस्टम, गॉर्डन, सब स्टेशन सहित अन्य वे सभी सुविधाएं रहेंगी, जो एक स्मार्ट शहर में रहती हैं। इसके अलावा क्षेत्र को हरा-भरा भी किया जाएगा। इसके लिए नवा रायपुर की तर्ज पर सड़क डिवाइवर में पौधे, आकर्षक चौक आदि संबंधित कार्य भी किए जाएंगे। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि नया विहार एक अहम प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को सफलता मिली, तो प्रदेश में इस तरह के कई प्रोजेक्ट लाए जाएंगे। इन प्रोजेक्ट से ग्रामीण क्षेत्र भी शहर की तरह विकसित होंगे, जिससे उन्हें भी वह सारी सुविधाएं मिलेंगी, जो शहर में रहने वाले लोगों को मिलती हैं।

ग्रामीणों के लिए फायदेमंद प्रोजेक्ट

नया विहार प्रोजेक्ट ग्रामीणों के लिए फायदेमंद है। कमल विहार की तुलना में यह प्रोजेक्ट कहीं ज्यादा बेहतर साबित होगा। इससे प्रभावित लोगों को 42 प्रतिशत विकसित प्लाट भी मिलेगा।

- संदीप बांगड़े, एडिशनल डायरेक्टर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग\

रनवे लबालब, दिल्ली-बिलासपुर फ्लाइट रायपुर एयरपोर्ट पर लैंड

रायपुर। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात हुई भारी बारिश की वजह से बिलासपुर विमानतल के रनवे में पानी भरने से दिल्ली से आने वाली फ्लाइट की लैंडिंग नहीं हो पाई और उसे रायपुर डायवर्ट कर दिया गया। दोपहर 12 बजे फ्लाइट यात्रियों को यहां छोड़कर वापस रवाना हो गई और यात्रियों को बिलासपुर तक अपने खर्च पर जाना पड़ा। जानकारी के अनुसार अलायंस एयर की फ्लाइट सुबह दिल्ली से रवाना होकर व्हाया जबलपुर होते हुए 11.10 बजे बिलासपुर आती है। बताया जाता है कि पिछली रात हुई बारिश की वजह से बिलासपुर के रनवे पर पानी भर गया था, जिसकी वजह फ्लाइट को वहां उतरने की अनुमति नहीं दी गई। पायलट एयरक्रॉफ्ट लेकर रायपुर पहुंचा और उसमें सवार 40 से ज्यादा यात्रियों को छोड़कर वापस रवाना हो गया।

कार्ययोजना बनाकर चला रहे अभियान 4106 ग्राम पंचायत हो चुकी टीबी मुक्त

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

टीबी मुक्त भारत के तहत चलाए जा रहे अभियान के तहत राज्य की 4106 ग्राम पंचायतें अब तक टीबी मुक्त हो चुकी हैं। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग व्यापक कार्ययोजना बनाकर काम कर रहा है। पिछले दिनों निक्षय निरामय योजना के तहत 100 दिन के अभियान में 36 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश में 7 दिसंबर 2024 को निक्षय-निरामय छत्तीसगढ़ का 100 दिवसीय अभियान शुरू किया गया था। अभियान का उद्देश्य टीबी के विरुद्ध जमीनी स्तर पर निर्णायक लड़ाई छेड़ना था। इसके तहत सभी जिलों में घर-घर जाकर उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध करते हुए आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जांच कराई गई। इसमें 36 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई, 4.5 लाख से अधिक एक्स-रे जांच की गई और 1.5 लाख से अधिक व्यक्तियों की जांच अत्याधुनिक 'नॉट मशीन' से की गई। यह व्यापक परीक्षण प्रक्रिया टीबी की शीघ्र पहचान और त्वरित उपचार के लिए अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। योजना के तहत अब तक 15 हजार से अधिक नए निक्षय मित्रों ने पंजीकरण कर 34 हजार से अधिक टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान की है।

भाजपा के सभी जिलों की कार्यकारिणी अगले माह तक होगी पूरी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश के भाजपा संगठन में अब जाकर करीब पांच माह बाद जिलों की कार्यकारिणी आकार लेने लगी है। सबसे पहले मनेंद्रगढ़-चिरमिरी की जिला कार्यकारिणी का ऐलान किया गया है। इसके बाद गौरेला पेंड्रा मरवाही की कार्यकारिणी की घोषणा की गई। आने वाले समय में प्रदेश के अन्य जिलों की कार्यकारिणी का भी एक के बाद एक ऐलान होगा। रायपुर जिले की कार्यकारिणी का ऐलान जहां अगले माह होगा, वहीं प्रदेश के सभी जिलों की कार्यकारिणी हर हाल में अगले माह पूरी हो जाएगी। इसके बाद ही प्रदेश की कार्यकारिणी तय होगी। वैसे भी प्रदेश की कार्यकारिणी से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा, इसके बाद प्रदेश की कार्यकारिणी बनेगी। इसके लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा। प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान अगस्त के अंत में या फिर सितंबर में ही हो सकेगा। भाजपा के प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे हो चुके हैं। सितंबर में पहले सदस्यता अभियान चलाया गया इसके बाद बूथ, मंडल, जिलों के चुनाव के बाद 17 जनवरी को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव हुआ। इसमें एक बार फिर से किरण देव को प्रदेश की कमान सौंपी गई। किरण देव को विधानसभा चुनाव के बाद 2019 में तब अध्यक्ष बनाया गया था, जब विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव को डिप्टी सीएम बना दिया गया था। ऐसे में किरण देव का कार्यकाल करीब सवा साल का ही रहा।

मोतियाबिंद अंधत्व मुक्त के सर्टिफिकेट के लिए इंतजार में 11 जिले

केंद्र सरकार को भेजा जा चुका प्रस्ताव, तीन माह में 27 हजार से ज्यादा सर्जरी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के बाद जिले को मोतियाबिंद बैकलॉग फ्री होने के दावे के साथ केंद्र सरकार को भेजे गए प्रस्ताव पर सर्टिफिकेट प्राप्त करने राज्य के 11 जिले लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। रायपुर समेत कई जिलों को इसका दावा किए सालभर से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। इधर मोतियाबिंद अंधत्व मुक्त अभियान के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 27 हजार से ज्यादा सर्जरी की जा चुकी है।

केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ मोतियाबिंद के मरीजों के ऑपरेशन के लिए चलाए जाने वाले अभियान को अपनाया गया था। इस दौरान यह तय हुआ था जो जिला मोतियाबिंद की सर्जरी में अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा करता है, उसे बैकलॉग फ्री होने का प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इसके लिए जिले द्वारा किए गए दावे की राज्य स्तर पर जांच और ओके रिपोर्ट होने पर प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने का सिस्टम बनाया गया था। इसके तहत कबीरधाम, रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार, बालोद, दुर्ग, राजनांदगांव, खैरागढ़, रायगढ़, कोरबा एवं बस्तर को दृष्टिहीनता मुक्त घोषित किए जाने के लिए दावा भारत सरकार को प्रेषित किया गया था। काफी समय बीतने के बाद भी योजना के तहत प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया गया। राज्य शासन द्वारा इसके लिए अब पुनः प्रयास किया जा रहा है। राज्य में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 1 लाख 45 हजार 580 तथा अप्रैल 2025 से जून 2025 तक 27,245 मोतियाबिंद ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इसके तहत 25 जिला अस्पताल एवं 10 चिकित्सा महाविद्यालयों सहित कुल 43 स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित रूप से नेत्र ऑपरेशन किए जा रहे हैं।

अब तक 350 नेत्रदान

नेत्रदान को लेकर विभागीय स्तर पर जनजागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके तहत अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 263 और अप्रैल 2025 से जून 2025 तक 88 नेत्रदान पूरा किया गया। इस अलावा आंखों से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए पिछले और वर्तमान वित्तीय वर्ष में एक लाख से ज्यादा लोगों का इलाज किया जा चुका है।

विक्रम सिंहदेव बने कैट के प्रदेश चेयरमैन

रायपुर। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद प्रवीण खंडेलवाल की अनुशंसा पर राजधानी के कैट के प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से विक्रम सिंहदेव को कैट छत्तीगसढ़ चैप्टर का प्रदेश चेयरमैन नियुक्त किया गया है। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने बताया कि श्री सिंह इससे पूर्व कैट के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रहे हैं। यही नहीं, लंबे समय से वे व्यापारी हितों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उनकी इस नियुक्ति पर अमर पारवानी, मगेलाल मालू, जितेन्द्र दोषी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, सुरिंदर सिंह, अजय अग्रवाल सहित पूरी कैट टीम ने बधाई दी है।

कबाड़ियों के हौसले इतने बुलंद कि रातों रात कट गई एंबुलेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा में अवैध रूप से कबाड़ का व्यवसाय करने वालों के हौसले अब इस कदर बुलंद हो गए हैं कि वे शासकीय सम्पति को भी रातों रात टुकड़ों में काटकर बेच दे रहे हैं। इस बात का खुलासा पुलिस की कार्रवाई से हुआ है। पुलिस ने एंबुलेंस चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी एंबुलेंस चालक है और उसने ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर से एंबुलेंस की चोरी कर उसे कबाड़ी को बेच दिया था। इससे भी बड़ी बात यह है कि आरोपी ने इसके पहले दो महतारी एक्सप्रेस की चोरी कर उसे भी कबाड़ी को बेच दिया और किसी को इसकी भनक तक नहीं लग पाई। अब पुलिस कबाड़ी आरोपी की तलाश में जुट गई है।

बता दें कि राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के नकिपुरिया वार्ड के समीप एंबुलेंस क्रमांक सीजी 02 6563 को खड़ी किया गया था। एम्बुलेंस का स्टेयरिंग जाम होने के कारण चालक भुनेश्वर कुमार ने वाहन को परिसर के पार्किंग में खड़ा किया था। इस दौरान 17 जुलाई को पता चला कि परिसर से एंबुलेंस गायब है। ऐसे में काफी खोजबीन के बाद कंपनी के संजीवनी 108 एम्बुलेस के जिला प्रबंधक संदीप कुमार यादव ने 22

जुलाई को मामले की शिकायत मणिपुर पुलिस से की थी। एंबुलेंस चोरी होने की खबर को हरिभूमि ने प्रकाशित किया जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज किया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद संदेह के आधार पर इब्राहिम अंसारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। मोमिनपुरा हरसागर तालाब निवासी 32 वर्षीय इब्राहीम अंसारी आ. इस्माइल अंसारी संविदा कर्मचारी के रूप में कार्यरत है और उसने ही एंबुलेंस की चोरी की।

घर पर गिरी पड़ोसी की जर्जर दीवार मलबे में दबकर मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

बलरामपुर जिले में बारिश का कहर जारी है। एक तरफ जहां बारिश के कारण नदी नाले उफान पर आ गए है तो वहीं दूसरी ओर भारी बारिश के कारण मकान की दीवार गिरने से एक एक ही परिवार के पांच लोग दब गए। इस घटना में एक मासूम बच्ची की मौत हो गई जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन फानन में रेस्क्यू कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि रामानुजगंज के वार्ड क्रमांक 13 निवासी 40 वर्षीय प्रमोद रवि पत्नी 34 वर्षीया सुनीता देवी, 10 वर्षीया बच्ची राधा, 9 वर्षीया काजल और 8 वर्षीय खुशबु के साथ रहते है। शुक्रवार की रात पूरा परिवार खाना खाने के बाद सो गया था। इस दौरान मूसलाधार बारिश के बीच भोर के 5

बजे अचानक ही प्रमोद रवि के घर में बगल में स्थित एक जर्जर दीवार धराशायी हो गई। दीवार सीधे प्रमोद रवि के घर की दीवार पर गिरी जिससे प्रमोद रवि के घर की दीवार भी धराशायी हुई। दीवार के साथ प्रमोद के घर का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर मलबे में तब्दील हो गया और घर में सो रहे दम्पति व तीनों बच्चे समेत 5 लोग मिट्टी के मलबे में दब गए। अल सुबह इस घटना के बाद क्षेत्र में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों के साथ ही पुलिस की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर दबे हुए सदस्यों को बाहर निकाला लेकिन इस घटना में 8 वर्षीया मासूम बच्ची खुशबु रवि की मौत हो गई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

आफत की बारिश...

नहीं हुई है। इसके अलावा मौसम विभाग द्वारा प्रदेश के पचास शहरों में लगाए गए स्टेशनों में सीमांत से भारी बारिश दर्ज की गई है। 00 **संभावना अभी भी बनी हुई**-मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक छत्तीसगढ़ और उससे लगे झारखंड के ऊपर स्थित अवदाब के लगातार पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए कमजोर होकर पूर्वी मध्यप्रदेश की ओर जाने की संभावना है। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर अनूपगढ़, चूरू, ग्वालियर, रीवा, अवदाब के केंद्र, पुरुलिया, कोंटाई और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। रविवार को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम, एक दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

शिवनाथ उफान पर...

करना पड़ रहा है। प्रशासन ने नदी के आसपास के गांवों में फिर से एलर्ट किया है कि वे सतर्क रहें और गांव यदि पानी घुसे तो वे सुरक्षित स्थलों का शरण लें। राजनांदगांव जिले के जलाशयों का पानी शिवनाथ नदी दुर्ग में छोड़ा जा रहा है। मोंगरा जलाशय, सूखानाला और घुमरिया बैराज शिवनाथ नदी दुर्ग में 32000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिसकी वजह से शिवनाथ नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

नदी पर सुरक्षा...

कर्मी यहां पर लोगों को रोकने के लिए तैनात किया गया है लेकिन जैसे ही शाम होती है उनकी ड्यूटी समाप्त हो जाती है। शाम के बाद पूरी रात यहां पर कोई नहीं रहता। ऐसी स्थिति में अनहोनी का अंदेशा बना रहता है।

लगातार बारिश से...

गई है। दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में बरंगा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण क्षेत्र के दो दर्जन गांवों का जिला एवं ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क कट गया है वहीं ग्राम रसौकी, बैजनपाट, लूल्ह, मुण्डा, तेलाईपाट, जुड़वनिया बाढ़ से घिर गए हैं तथा इन गांवों में जाना-आना मुश्किल हो गया है। नदी-नालों में बाढ़ आने के कारण संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में मार्ग अवरुद्ध होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक पुत्र की...

से जुड़ा है, जो ढाई वर्ष पूर्व धार्मिक संप्रदायिक तनाव के चलते हुआ था। विधानसभा में गृहमंत्री विजय शर्मा ने सीबीआई जांच की अनुशंसा की थी, जिसे केंद्र सरकार ने मंजूरी दी थी।

भाजपा ने थमाया...

है। उनके नेताओं के लगातार बयान आ रहे हैं।

कौशल विकास प्रमाण...

नहीं दी जा रही है। यह तथ्य सीएजी की रिपोर्ट से सामने आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ कौशल विकास प्राधिकरण के अभिलेखों की जांच के दौरान ये पाया गया है। यह बात प्राधिकरण के प्रमाण पत्रों की मान्यता को लेकर कही गई है, लेकिन दूसरी ओर हालत ये है कि सरकार से कौशल विकास की ट्रेनिंग लेने वाले युवा, बेरोजगारों को अब नौकरी के लिए केवल निजी क्षेत्र का सहारा है।

आजीविका का उद्देश्य...

और आजीविका प्राप्त करने का उद्देश्य पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया जा सका।

मान्यता का प्रस्ताव...

भी लंबित है। इस मामले को लेकर राज्य सरकार ने सीएजी को अक्टूबर 2023 में जवाब दिया था कि प्राधिकरण द्वारा जारी कौशल विकास प्रमाणपत्र को शासकीय और निजी क्षेत्रों में कुशल श्रमिक के रूप में नियुक्ति के लिए वरीयता या प्राथमिकता देने के संबंध में प्रस्ताव विचाराधीन है।

एमबीबीएस-बीडीएस...

बाद वर्ष 2025-26 में चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालियों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। राज्य में इस बार रावतपुरा मेडिकल कालेज में जीरो ईयर घोषित किया गया है जिससे कुल 150 सीटें कम हो गई है। 10 शासकीय और 4 निजी मेडिकल कालेज में कुल 1980 सीटें है जिसमें से राज्य और प्रबंधन कोटे की 1733 सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया राज्य चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पूरी की जाएगी।

बलरामपुर के छह...

थी कि सामरी पाठ क्षेत्र के लोगों के घरों में वर्षों पुराने भरमार बंदूक मौजूद है। ऐसे में आईजी दीपक झा के निर्देश पर एसपी वैभव बैंकर रमनलाल ने विशेष अभियान चलाकर हथियार बरामद करने के निर्देश दिए थे। एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी सामरी पाठ विजय प्रताप सिंह 22 जुलाई से स्वयं क्षेत्र के पुन्दाग कैंप में पहुंचकर जानकारी एकत्रित की जा रही थी। जांच के दौरान जब पुलिस टीम ने ग्रामीणों से पूछताछ की तो क्षेत्र के चुनचुना, पीपरढाबा, चरहू, भीतर चरहू, खास चुनचुना एवं ग्राम पुन्दाग के भूताही, कोटवारी पारा, खास पुन्दाग के ग्रामीणों के पास भारी देशी भरमार होने की पुष्टि हुई थी। **झारखंड से हो रही सप्लाई**-इतनी बड़ी संख्या में भरमार बरामद होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि इन ग्रामीणों के पास ये हथियार आए कहां से। पूरे गांव में लोगों के घर घर में हथियार मौजूद है जो काफी खतरनाक है। ज्यादातर ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इसका उपयोग शिकार व जंगली जानवरों से रक्षा के लिए किया है लेकिन हथियार रखना अवैध है। बताया जा रहा है कि ये हथियार ग्रामीणों को झारखण्ड के किसी व्यक्ति द्वारा सप्लाई किया जा रहा है। झारखण्ड का तस्कर अवैध रूप से ग्रामीणों के लिए हथियार की तस्करी कर रहा है। **37 ग्रामीणों को किया गया गिरफ्तार**-पुलिस ने भरमार हथियार रखने के मामले में कुल 37 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में ग्राम चुनचुना से जिब्राईल अंसारी आ. काशीम अंसारी 45 वर्ष, सद्दाम अंसारी आ.काशीम अंसारी 35 वर्ष, इसराफिल अंसारी आ. कासीम अंसारी 36 वर्ष, गणेश नगेसिया आ. बंधन नगेसिया 52 वर्ष, शेरू नगेसिया आ. गणेश नगेसिया 35 वर्ष, सुमित नगेसिया आ.सुरजदेव नगेसिया 39, कमलेश नगेसिया पिआ.कृष्णा नगेसिया 28 वर्ष, जोखन नगेसिया आ.रंमकू नगेसिया 55 वर्ष, मंगरू नगेसिया आ. बेचू नगेसिया 40 वर्ष, अमजद अंसारी अ. ईमामुदीन अंसारी उम्र 45 वर्ष, गुलाम सादिक उर्फ जोगन अंसारी आ. आसिम अंसारी 28 वर्ष, इसराईल अंसारी आ. काशीम अंसारी उम्र 38 वर्ष, मिश्रा नगेसिया आ.शंभू नगेसिया 30 वर्ष, शनिचरा नगेसिया आ. रतू नगेसिया 40 वर्ष, ग्राम भीतर चरह से पूरन नगेसिया आ. रामपिलुत नगेसिया 38 वर्ष, मुखलाल कोरवा आ. चेरंगो कोरवा 30 वर्ष, ग्राम चरह से मुस्लिम अंसारी आ. रहमान अंसारी उम्र, नेजामुद्दीन अंसारी आ. अमीर मिया 63 वर्ष, सईब अंसारी आ. अमीर अंसारी 44 वर्ष अंसारी, कमील अंसारी आ. रहमान अंसारी 35 वर्ष, असीद अंसारी आ.नसीरुद्दीन 32 वर्ष, सहादत अंसारी आ. कुरबान अंसारी 32 वर्ष, तबारक अंसारी आ. स्व. इमाम अली 60 वर्ष, भोला कोरवा आ. स्व. अधनू कोरवा 45 वर्ष, पीपरढाबा से विनोद नगेसिया आ. स्व. मंगरू नगेसिया 35 वर्ष, राजेन्द्र नगेसिया आ. गोमा नगेसिया 35 वर्ष, शत्रु नगेसिया आ. स्व. रामनाथ नगेसिया 31 वर्ष, भूताही, निवासी करीवा कोरवा आ. नटई कोरवा 45 वर्ष, बीरू कोखा आ. स्व. हालखोरी कोरवा 44 वर्ष, टीमन कोरवा आ. स्व. ठेंगवा कोरवा 50 वर्ष, लोकवा कोरवा आ. स्व. सावना कोरवा 45 वर्ष, प्रदीप कोरवा आ. स्व. रामदेव कोरवा 35 वर्ष, शंभू कोरवा आ. स्व. दसाई कोरवा 60 वर्ष, उदयशंकर आ. धनसू कोरवा, 50 वर्ष, सीमन कोरवा आ। ठेंगवा कोरवा 46 वर्ष, ग्राम पून्दाग निवासी दिनेश कोरवा आ. गोगमा कोरवा 30 वर्ष व गणेश सिंह आ. चंद्रिका सिंह को गिरफ्तार किया है। **जारी है सर्च अभियान**-हमने ग्रामीणों से एक साथ कुल 37 भरमार बंदूक बरामद किए है। ग्रामीणों द्वारा हथियार का उपयोग अपने खेतों की सुरक्षा और जंगली जानवरों के शिकार के लिए किया जाता था। कुछ ग्रामीणों के पास ये पुस्तैनी हथियार थे जबकि कुछ ने झारखंड से खरीदा था। ग्रामीणों ने अपनी स्वेच्छा से हथियार हमारे सुपुर्द किया है लेकिन अवैध हथियार होने के कारण सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। अभी हमारी टीम पुन्दाग कैंप में ही मौजूद है और सर्चिंग का कार्य लगातार जारी है।

- वैभव बैंकर रमनलाल, एसपी बलरामपुर

चलाया गया विशेष...

प्रधान आरक्षक निर्मल एक्का, थाना सामरीपाठ से सउनि सहदेव राम भगत, प्रधान आरक्षक कलेश पैकरा, जयदीप सिंह, कैंप पुन्दाग से प्रधान आरक्षक अमर लकड़ा की टीम ने गांव में सर्च अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम ने गांव में कुल 37 भरमार हथियारों को बरामद किया है। इनमें से कुछ भरमार बंदूक को ग्रामीणों ने अपने खेत में छिपाया था तो किसी ने अपने घर में। ग्रामीणों ने खेत व फसल की सुरक्षा के नाम पर हथियार रखने की बात स्वीकार की है। वहीं ग्रामीणों द्वारा इसका उपयोग शिकार के लिए भी किया जाता था।

मुठभेड़ में 4...

बारिश में भी नक्सलियों के गढ़ में पहुंच रही फोर्स- मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में जवानों को नियत स्थल पर रवाना किया गया। जहां दोनों ओर से हुई फायरिंग में 4 नक्सलियों के शव मिले है। यह संख्या बढ़ भी सकती है। मानसून में भी बारिश के बीच जवान नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान में मुस्तैदी के साथ लड़ाई जारी रखे हुए है। मिशन मार्च 2026 को पूरा करने के लिए मानसून में भी पुलिस और फोर्स अपना अभियान जारी रखेगी, यह बात पिछले दिनों आईजी सुंदरराज पी ने कही थी। **बारिश में नदी, नालों में बाढ़ और सांप बिच्छु से बचने करते है विश्राम**-बारिश का सीजन बस्तर के बीहड़ो में विश्राम का समय होता है। नक्सली इस समय अपने रशद और हथियार को सुरक्षित ठिकानों में रखकर बारिश के बाद आगे की रणनीति पर काम करते है। ऐसे समय में नदी, नालों में उफान और बाढ़ की स्थिति रहती है। वहीं जंगलों में सांप, बिच्छु और विषैले जंतुओं से खतरा भी रहता है। पुलिस भी बारिश में अपने मुहिम को रोककर थाना और पोस्ट में रहती है। ऐसे में मुखबिर से सूचना मिलने पर फोर्स नक्सलियों के प्रभाव क्षेत्र में पहुंचकर उनपर हमले कर नुकसान पहुंचा रही है। यह सफलता मिशन मार्च 26 के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

चैतन्य से मिले...

का धमकाने का और भयभीत करने का काम कर रही है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट राजधानी पहुंचते ही कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के साथ सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य और पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत साथ थे। पायलट ने संवाददाताओं को बताया कि चैतन्य ने मजबूती से लड़ाई लड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं जो कार्यवाही कांग्रेस के नेताओं, पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार के खिलाफ की गई है यह साबित करता है कि केंद्र की सरकार, एजेंसीयों का उपयोग अपने विरोधियों को दबाने के लिए कर रही है। हम सबको पूरा भरोसा न्यायपालिका के ऊपर है। उन्होंने कहा, उनकी पार्टी ऐसे कदमों से नहीं डरेगी और इनके खिलाफ लड़ेगी। **न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग करेंगे भूपेश बघेल**-सचिन पायलट ने कहा, हमें न्यायपालिका और न्यायालय पर पूरा भरोसा है। सच्चाई सामने आएगी। भूपेश बघेल ने भी कहा है कि वे न्यायिक प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के...

आया है कि उक्त व्यवसायी ने स्वास्थ्य विभाग में विगत 4–5 वर्षों में लगभग 48 करोड़ रुपए की आपूर्ति की, जबकि वास्तविक खरीदी केवल 10 करोड़ रुपये की थी। प्रारंभिक जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि व्यवसायी ने खरीदी मूल्य से 4–5 गुना अधिक दरों पर सामग्री की आपूर्ति कर 400 से 500 प्रतिशत तक लाभ कमाया। इस लाभ को छुपाने और जीएसटी देनदारी से बचने के लिए व्यवसायी ने अपने परिवारजनों के नाम पर तीन अन्य फर्में- राहुल इंटरप्राइजेज, नारायणी हेल्थकेयर, और पी.आर. इंटरप्राइजेस बनाई तथा आपस में ही खरीदी बिक्री दिखाकर करीब 1 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की। इस मामले में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा अधिकारियों को सरकारी आपूर्ति पर विशेष नजर रखने और किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत पकड़ने के लिए निर्देशित किया गया था। इसी के तहत राज्य जीएसटी विभाग की टीम ने यह प्रभावी कार्रवाई की है।

साय बोले- भ्रष्टाचार...

और ठेकेदारों को चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग करके अनुचित लाभ अर्जित करने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई राज्य शासन की ईमानदार, पारदर्शी और जनहितकारी प्रशासनिक दृष्टिकोण का उदाहरण है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध पूरी प्रतिबद्धता और सख्ती के साथ कार्य कर रही है।

रुद्र ब्रिगेड : अब...

सामना कर रही है, बल्कि दुश्मनों की रणनीति के खिलाफ खुद को मजबूती से तैयार करने में लग गई है। सूत्रों के हवाले से बताया कि दो पैदल सेना ब्रिगेड को पहले ही रुद्र ब्रिगेड में बदल दिया गया है। इसी तरह, सीमा पर दुश्मन के छक्के छुड़ाने के लिए एक और घातक विशेष बल इकाइयां, 'भैरव' लाइट कमांडो बटालियन की स्थापना की गई है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भैरव लाइट कमांडो यूनिट से हमारी ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि अब हर पैदल सेना बटालियन में ड्रोन प्लाटून शामिल हैं, जबकि तोपखाने ने दिव्यास्त्र और लोइटर म्यूनिशन बैटरियों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता कई गुना बढ़ा दी है।सेना की वायु रक्षा को स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों से लैस किया जा रहा है।

पंजीयन क्रमांक 79, दिनांक 09.10.1956 दूरभाष: (07763) 299061, 299062

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम

केन्द्र : जशपुर नगर 496331, जिला जशपुर (छत्तीसगढ़)
ईमेल: kalyanashram1952@gmail.com

अध्यक्ष: सत्येन्द्र सिंह महामंत्री: योगेश श्रीधर बापट कोषाध्यक्ष: महेश कुमार मोदी संगठन मंत्री: अतुल रामचन्द्र जोग

संदर्भ क्र. 57/116/अनुदान/2025-26 दिनांक 24/07/25

-: विज्ञापन सूचना :-

अनुदान प्राप्त अशासकीय संस्था अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, जशपुर द्वारा संचालित कल्याण आश्रम धर्मार्थ चिकित्सालय, जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.) के अन्तर्गत डॉक्टर्स एवं मेकिल स्टॉफ के 45 रिक्त संविदा पदों पर भर्ती हेतु योग्यताधारी इच्छुक अभ्यर्थियों से दिनांक 26.08.2025 को शाम 05:00 बजे तक स्थान-कार्यालय कल्याण आश्रम धर्मार्थ चिकित्सालय जशपुर, जिला-जशपुर (छ.ग.) पिन कोड-496331 में पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किया जाता है। विज्ञापन संबंधी विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें तथा आवेदन प्रारूप हेतु अभ्यर्थी जिले के वेबसाईट www.jashpur.nic.in का अवलोकन कर सकते हैं। (कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

व्यवस्थापक, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, जिला-जशपुर (छ.ग.)

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
उपलब्ध सुविधाएं: • जनरल मेडिसीन • छाती रोग • हृदय रोग • सांस एवं फेफड़ा रोग • दंत रोग • डायबिटीज • त्वचा रोग • प्रसूति एवं स्त्री रोग • बच्चों के रोग • जोड़ एवं हड्डी रोग • आंख, कान, गला रोग • जनरल सर्जरी • ऑन्कोलॉजी विभाग • यूरोलॉजी • फिजियोथेरेपी • सोनोग्राफी • डिजिटल एक्स-रे • सीटी स्कैन • क्रिटिकल केयर यूनिट • आईसीयू • ट्रॉमा केयर
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) 8962566221, 07714916125, 7223065604

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नाक,कान, गला विभाग • (Hearing Aids) सुनाई मशीन • सिर, मुख एवं गले का कैन्सर • ऑपरेशन द्वारा ईलाज • नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँचएलर्जी • Dental & Consmetic Treatments
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभात टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर 0771-4050006, 81031 28515

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- Philips, Ahuja ऑथोराइज्ड टीवी, डीजे शोरूम में युवक एवं स्टोर मैनेजर की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन 8000 से 10000 सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स सदर बाजार करोना चौक बिलासपुर (38316)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित संस्थान में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट टैली ऑपरेटर (फीमेल) की आवश्यकता है। वेतन- 9000 से 12000 प्रतिमाह सम्पर्क करें- 95754 88884 (38317)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित हॉटल में कार्य करने हेतु रिसेपेशनिस्ट (रात/दिन)-1, वेटर-1, सुपरवाईजर- 1, ड्राइवर-1 की आवश्यकता है। इंटरव्यू 27 जुलाई रविवार 4pm-6pm सम्पर्क करें- हॉटल रोहित जूनीलाइन गोल बाजार बिलासपुर 78699 19506 (38318)

आवश्यकता है- ऑटो पार्ट्स दुकान में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर 96910 61066 (38320)

आवश्यकता है- बिलासपुर राजकिशोर नगर में Ola और ट्रेवल्स में कार चलाने हेतु 2 ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी- 10000 से 12000 सम्पर्क करें- 8109400008, 9243958051 (38319)

आवश्यकता है-जैसवाल नेको इस्पात पावर प्लांट सिलतरा रायपुर हेतु 5वीं पास शिक्षित अशिक्षित गैंगमैन लड़के, वेतन 18000 रहना फ्री ST, SC, OBC को वरीयता, लोकल बिलासपुर गार्ड वेतन 10000 से 14000 पता- एक्समैन सिक्युरिटी सर्विस हेमू नगर 9754713125, 98276 18359, 6263900911, 9755667206 (38287)

आवश्यकता है- OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000, रहना, खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644 433021 (15333)

आवश्यकता है- घरेलू कार चलाने के लिये अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है ड्राइविंग लाइसेन्स के साथ सम्पर्क करें- 9827902221 (38312)

आवश्यकता है- घरेलु कार्यो खाना बनाने और बच्चियों को देखरेख के लिए महिला केयर टेकर चाहिए कार्य समय सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक संपर्क करें गंगा नगर बिलासपुर 7879192209, 99079 50407 (38307)

आवश्यकता है- कार वर्कशाप में आफिस वर्क के लिये लड़की की आवश्यकता है। कम्प्यूटर का ज्ञान होना चाहिए सम्पर्क करें- रॉयल मोटर्स बिलासपुर 75666 60051 (38298)

आवश्यकता है- मेस में पोहा मटर, समोसा मटर, भजिया, इडली, डोसा एवं चायनीज आईटम बनाने के लिए कुक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मंगला बिलासपुर छत्तीसगढ़ 9755655055 (625)

Requirment- Counceller cum tele-caller (F-2) Graduate salary- 7000, Center Incharge (M-1), Graduate Experienced Salary- 10000, Computer trainer (M/F-2) BCA/ PGDCA Salary 6000, Office Boy- 1 (10th) Contact- Sarvagya Academy Rk nagar chowk Send CV in 91110 60655 (38301)

आवश्यकता है- स्किन क्लिनिक में (1) स्किन कार्य सहायिका (2) रिसेप्शनिस्ट (3) फेशियल कार्य करने के लिए आवश्यकता है संपर्क करें 7697312555 (38308)

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा.नशेड़ी संपर्क न करें- 7225888800 (6987)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मनीष इलेक्ट्रीकल्स B-9 मायानन्द परिसर तेलीपारा बिलासपुर, 9329440777, 9109302793, 89822 47455 (35305)

आवश्यकता है- बिलासपुर व्यापार विहार तेलीपारा पुराना बस स्टैण्ड सरकंडा कोनी सिरगिट्टी परसदा तिफरा हेतु सुरक्षा गार्ड चाहिए वेतन 8000 से 9000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 9993336942, 95893 16942 (38311)

आवश्यकता है- कपड़े दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- सुबह 10बजे के बाद संजय किड्स जोन काली मन्दिर के पास मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 83055 50000 (38313)

आवश्यकता है- वेटर/ कर्मचारी सफाई हेतु 1 पद आवश्यकता है वेतन 10000 बिजली मिस्त्री, नल मिस्त्री अनुभवी ही सम्पर्क करें- बाहरी को रहना खाना निशुल्क प्रबंधक अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 98279 40898, 9406390898 (35306)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-बुकिंग में कार एवं इनोवा चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्राइवर (वेतन 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट) एवं यार्ड में सफाई हेतु कुली, चपरासी/ बाई चाहिए। (समय सुबह 9 से शाम 7बजे) पता- सक्षम ट्रैवल्स बिलासपुर 6264125145, 9827192189 (38146)

आवश्यकता है- न्यू डेविल चश्मा दुकान में काम करने हेतु एक लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- न्यू डेविल चश्मा सिम्स हॉस्पिटल के सामने बिलासपुर 9098444923 (38300)

आवश्यकता है- सुपर मार्केट में कार्य करने हेतु 2 सेल्समेन लड़के एवं 2 सेल्सगर्ल लड़की की आवश्यकता है वेतन 5000 से 6000 लोकल को प्राथमिकता सम्पर्क करें- मंगला चौक बिलासपुर 79999 23698, 8962141941 (38299)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 14000 सुपरवाइजर वेतन 16000 फील्ड ऑफिसर वेतन 15000 आवास फ्री PF+ ESIC सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा रायपुर, छ.ग. 77470 00019, 7746000016, 7747000016, 77460 00019 (074)

आवश्यकता है- Darshan EMU India Pvt. Ltd. कम्पनी में आफिस एवं सेल्स कार्य हेतु लड़के, लडकियो की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- वृन्दावन प्लाजा नेहरु चौक बिलासपुर 9238779974, 93434 00633 (1472)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु 18 से 22 वर्ष के 10 मेहनती लड़के चाहिए (time 10am - 7pm) ही सम्पर्क करें:- साइंस कॉलेज के पास, सरकंडा बिलासपुर 9074741377 (194)

आवश्यकता है- बम्पर भर्ती Ordeal कम्पनी में 60 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 22000 रहना खाना फ्री परमानेंट जॉब सम्पर्क करें- उस्लापुर ओव्हर के पास दीपसागर नगर बिलासपुर 8003402269 (1471)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Reliance jio 5G कम्पनी में घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम SMS जॉब करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां कमाएं 15000 से 45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Call/ Whats App/ SMS करें- 81020 33345 (1049)

आवश्यकता है- Ambition Marketing में सेल्स एक्जीक्यूटिव- 3, लीडर- 2, ट्रेनर- 2 लड़के, लड़कियों की। वेतन 10000 से 15000 पता- शॉप नं. FS-16, प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 7806 007192 (3175)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः म.प. उज्जैन 9630773028 9691233111 (361)

आवश्यकता है- खेत सुपरवाइजर की आवश्यकता है जो सिमगा खेत में रहकर कृषि एवं अन्य कार्य की देखरेख करे वेतन कार्य क्षमता अनुसार 7999967254 (6872)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे, रहना फ्री, सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8085106943 (191)

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
तो हमसे जुड़िए... या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए
जाति, उम्र, दहेज बन्धन नहीं
सरकारी, नौकरी, पेशा, मासिक आय 1.50 लाख से ज्यादा वर हेतु उच्च शिक्षित/ संस्कारी वधु चाहिए नौकरी पेशा, व्यवसायी, अकेली संतान, MBBS, BAMS, BHMS, BEMS, BSC, MSC, नर्सिंग, NET, SET, PHD को प्राथमिकता
(टीप- नौकरी पेशा, व्यवसायी, अकेली संतान, डॉक्टर, इंजीनियर हो तो विधवा, तलाकशुदा, निसंतान, बच्चे वाले भी फोन कर सकते हैं)
-सम्पर्क करें- 8319734310

वधू चाहिए
अग्रवाल (वैश्य) 32/ 5'-4" एसबीआई लाइफ में इन्श्योरेन्स एडवाइजर, बिलासपुर में दुकान एवं घर। शिक्षित, गृह कार्य में दक्ष, मध्यम परिवार की अविवाहित कन्या चाहिए
सम्पर्क करें- 8839071395

आवश्यकता है- ईमानदार ऑटोमोटिव बैटरी व टायर सेल्स हेतु मार्केटिंग /सेल्समेन एवं ड्राइवर की, वेतन- योग्यतानुसार (12000- 20000) +इन्सेंटिव +बोनस संपर्क करें:- सिंघानिया इंटरप्राईजेस, श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 7049016518, 79748 11410 (192)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर नगर निगम अन्तर्गत TNC स्वीकृत कालोनी में प्लाट बेचना है (1) मोपका घी कुण्ड तालाब के बगल में श्री जेपी विहार कालोनी में 1000 वर्गफुट (2) मंगला दीनदयाल कालोनी के पीछे 1100 वर्गफुट (3) रतनपुर मुख्य मार्ग में बिरकोना मोपका बाइपास रोड पर बालाजी सिटी कालोनी में 1250 वर्गफुट (4) हेमू नगर जीनत ग्रीन विहार कालोनी के पास 1000 वर्गफुट। नामांतरण फ्री, डायरेक्ट मालिक से बैठक, कोई ब्रोकरेज शुल्क नहीं सम्पर्क- 9893266152 (38309)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है- कमर्शियल जमीन बिलासपुर से कोटा मेन रोड में पीपरतराई गांव में (39 डिसमिल) 105x165=17325 वर्गफुट जमीन शीघ्र बेचना है संपर्क करें 9074644163, 8109495355 (38302)

बेचना है- भरनी (बिलासपुर) में 4 से 5 डिसमिल आवासीय जमीन बेचना है लेने वाले व्यक्ति सीधे सम्पर्क करें- 7415401834, 62696 79746 (35304)

बेचना है- लगरा में RTO ऑफिस के आगे मेन रोड से 200 मीटर की दूरी पर 4800 वर्गफीट प्लॉट एवं चिल्हाटी में 2000 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 7828539364, 8770382324 (38314)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण-सबसे कम दामों में ट्राली, टेंकर, हाइड्रोलिक ट्राली मल्टीक्रॉप थ्रेसर, कल्टीवेटर, केजव्हील, कोपर, दतारी, लेबलर सभी कृषि उपकरण, रिपेयरिंग, पेन्टिग एक्सचेन्ज हेतु सुविधा- किसान एग्रो गतौरी रतनपुर रोड 9827683510, 9827892413 (38268)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

किराया

किराया- स्वर्ण जयंती नगर में 3BHK एसी, किचन बड़ा हॉल, डायनिंग हॉल, 3 लैटबाथ बड़ा पोर्च, पम्प, बिजली सर्वसुविधायुक्त मकान बैंक/ सरकारी अधिकारी को किराये से देना है। सम्पर्क करे- 98263 40355 (38296)

किराया-शांति नगर स्थित शिव मंदिर के बाजू में 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराए से देना है शासकीय कर्मचारी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9893120008, 90390 26972 (38282)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
● निम्न बीमारियों का स्थाई इलाज इम्युन पावर पर आधारित है जो केवल आयुर्वेद के रसशास्त्र द्वारा ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है अनेको लोग रोग मुक्त हो चुके है।
● ध्यान रहे पुरूष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है। नीम हकिमों से सावधान।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलीयो का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है।
● क्या आपको किसी प्रकार के वायरल संक्रमण रोग है हेपाटाइटिस (A.B.C) या हर्पिस रोग स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना खुजली, लाल होना, रूबेला, या सिफलिस, गोनोरिया (सुजाक) H.I.V. (AIDS) एड्स एच. आई. वी. रोग है।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659 9617789223, 9303242200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

➡ जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡ जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
➡ शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
➡ श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
➡ रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
➡ जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
➡ भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
➡ श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
➡ एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
➡ रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
➡ श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
➡ अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
➡ विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
➡ माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
➡ बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

खबर संक्षेप

रिदम ममानिया ने रोलर स्केटिंग में जीता स्वर्ण

मुंबई। भारत की 13 वर्षीय रिदम ममानिया ने दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियाई रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में एकल फ्री डांस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता के 20वें सत्र का आयोजन दक्षिण कोरिया के जेचियन शहर में हो रहा है, जहां छह बार की राष्ट्रीय चैंपियन रिदम ने देश का नाम रोशन किया। रिदम ने इस साल की शुरुआत में ताइवान में हुई आर्टिस्टिक रोलर स्केटिंग ओपन प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता था। मुंबई की खिलाड़ी ने चार साल की उम्र से स्केटिंग करना शुरू कर दी थी। रिदम का लक्ष्य अब ब्रिसबेन में होने वाले पैसिफिक कप में भाग लेना है।

सीनियर ओपन में अटवाल, जीव और ज्योति ने हासिल किया कट

सनिंगडेल (ब्रिटेन)। अर्जुन अटवाल, जीव मिल्खा सिंह और ज्योति रंधावा की भारतीय गोल्फ तिकड़ी ने आईएसपीएस हांडा सीनियर (50 साल से अधिक) ओपन में कट हासिल कर इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब तीन भारतीय खिलाड़ियों ने किसी मेजर (गोल्फ के शीर्ष स्तर का टूर्नामेंट) में एक साथ कट हासिल किया है। शुरुआती दिन 67 का कार्ड खेलने वाले अटवाल दूसरे दिन दो ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर है। जीव (71-69) संयुक्त 49वें स्थान पर है जबकि रंधावा (70-71) एक ओवर के स्कोर के साथ कट में जगह बनाने में सफल रहे। इस प्रतियोगिता का कट एक ओवर का रहा।

दूसरे छोर से मदद मिलने पर अधिक सफल रहते बुमराह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट का मानना है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे छोर से मदद मिलने पर अधिक सफल रहते हैं।

पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ रही भारतीय टीम चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड से 186 रन पीछे है। बुमराह को अभी तक इस मैच में सफलता हासिल करने के लिए जूझना पड़ा है। ट्रॉट ने कहा, 'बुमराह ने अच्छी गेंदबाजी की और उनके इकोनॉमी रेट से भी इसका पता चलता है। बस किस्मत ने उनका थोड़ा साथ नहीं दिया। असल में मुद्दा दोनों छोर से दबाव बनाने का है।' उन्होंने कहा, 'बुमराह को जब दूसरे छोर से सहयोग मिलता है तो वह काफी सफल रहते हैं और शुक्रवार ऐसा नहीं था। जब आप गेंदबाजी इकाई

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

विवाह सूचना का प्रकाशन

क्रमांक क/ /वाचक/ अति-कले/2025, बिलासपुर, दिनांक 01.07.2025

श्री गौरव सिंह आत्मज श्री छोटेलाल उम्र-28 वर्ष स्थायी निवासी ग्राम चारपारा थाना व तहसील खरसिया जिला रायगढ़ अस्थायी पता ग्राम नेवसा थाना व तहसील पाली जिला कोरबा (छ.ग.) एवं कुमारी रानी कंवर आत्मजा श्री प्रताप कंवर उम्र 25 वर्ष निवासी चांटीडीह नंदेश्वर मंदिर के पास थाना सरकंडा तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग.

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में दिनाँक 07.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

गौरव सिंह

रानी कंवर

विवाह अधिकारी
जिला- बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

रोहित और मिलर के बाद टिम डेविड ने लगाया तीसरा सबसे तेज शतक, 37 गेंद में बनाई सेंचुरी

एजेंसी ▶▶| बासेटेरे (सेंट किट्स)

टिम डेविड ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे तेज शतक बनाया, जिससे उनकी टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली।

टिम ने सिर्फ 37 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से नाबाद 102 रन बनाए। भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ही उनसे आगे हैं। इन दोनों ने 2017 में 35 गेंदों में शतक लगाया था। पिछले साल स्कॉटलैंड के खिलाफ जोश इंग्लिस के बनाए गए 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को भी टिम डेविड ने तोड़ दिया।

- 11 छक्कों की मदद से बनाए नाबाद 102 रन, जोश इंग्लिस के 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को तोड़ा
- आस्ट्रेलिया ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया, श्रृंखला की अपने नाम

डेविड-ओवेन की 128 रन की अटूट साझेदारी

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शाई होप के नाबाद 102 रन की मदद से चार विकेट पर 214 रन बनाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने डेविड और मिशेल ओवेन की 128 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 16.1 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर जीत सुनिश्चित की और श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

डेविड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाया पहला शतक

डेविड ने सेंट किट्स के वार्नर पार्क में छोटे मैदान का पूरा फायदा उठाते हुए अपना छठा चौका लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सिर्फ 37 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से नाबाद 102 रन बनाए और पिछले साल स्कॉटलैंड के खिलाफ जोश इंग्लिस के बनाए गए 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्णकालिक सदस्य देशों में यह क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में तीसरा सबसे तेज शतक भी है। केवल भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ही उनसे आगे हैं। इन दोनों ने 2017 में 35 गेंदों में शतक लगाया था।

होप का नाबाद शतक रहा फीका

डेविड ने मैच के बाद कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे ऑस्ट्रेलिया की तरफ से शतक बनाने का मौका मिलेगा, इसलिए मैं उस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं और बहुत उत्साहित हूं।'

डेविड की आतिशी पारी ने होप (57 गेंदों पर 102 रन) के शानदार नाबाद शतक को फीका कर दिया, जिसमें आठ चौके और छह छक्के शामिल हैं। होप ने अपने सलामी जोड़ीदार ब्रैंडन किंग के साथ मिलकर 11.4 ओवर में 125 रन जोड़े। किंग ने 36 गेंदों पर 62 रन बनाए। क्रिस गेल के बाद होप वेस्टइंडीज के ऐसे दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीनों प्रारूप में शतक लगाए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट : चौथे दिन भारत के 2 विकेट पर 174 रन मेजबान टीम के पहली पारी में 669 रन

भारत ने दिखाया दम, गिल और राहुल ने जड़े अर्धशतक, विकेट को तरसा इंग्लैंड

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

भारत ने शुरूआती दो झटकों से उबरते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के नाबाद अर्धशतकों की मदद से शनिवार को चौथे टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड के खिलाफ स्टंप तक दूसरी पारी में 2 विकेट पर 174 रन बना लिए। गिल 78 और राहुल 87 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं।

इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन बनाकर 311 रन की विशाल बढ़त हासिल की थी। भारतीय टीम अभी इंग्लैंड से 137 रन से पीछे है। पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल और बी. साई सुदर्शन के विकेट गंवाने वाली भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल और केएल राहुल ने संभलकर खेलते हुए अंतिम दो सत्र में विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 174 रन की अटूट साझेदारी की।

कप्तान गिल और राहुल की शानदार पारी

गिल ने मैच में 167 गेंदों का सामना किया और 78 रन बनाए। उनके बल्ले से 10 चौके निकले। यह उनके टेस्ट करियर का 8वां और इंग्लैंड के खिलाफ चौथा अर्धशतक रहा। राहुल ने 210 गेंदों का सामना किया और 87 रन बनाए। उनके बल्ले से 8 चौके निकले। ये उनके टेस्ट करियर का 19वां और इंग्लैंड के खिलाफ चौथा अर्धशतक रहा।

गिल ने कोहली को छोड़ा पीछे

टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने मैनचेस्टर में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में एक और उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान के रूप में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। कप्तान के तौर पर शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में 668 रन बना चुके हैं। वहीं विराट ने 2016-17 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में 655 रन बनाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है।

शुभमन ने रचा इतिहास

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज में 650 से ज्यादा रन बनाकर इतिहास रच दिया है। वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ के 631 रनों के

टेनिस

डीसी ओपन : सेमीफाइनल में पहुंची एम्मा और लेयला

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

एम्मा रादुकानू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मारिया सकारी को 6-4, 7-5 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने 2021 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई। रादुकानू ने दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ने के बाद मैच के आखिरी पांच गेम जीतकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की जहां उनका सामना अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को 6-3 7-5 से हराया। महिला वर्ग में 2021 के अमेरिकी ओपन की उप विजेता लेयला फर्नांडीज ने भी क्वालीफायर टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फर्नांडीज का अगला मुकाबला 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डानेला फ्रेच को 6-3, 6-3 से हराया। मैग्डानेला फ्रेच ने इससे पहले गुरुवार को वीनस विलियम्स को हराया था।

शेल्टन लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में पहुंचे

पुरुष वर्ग में अमेरिका के बेन शेल्टन लगातार दूसरे साल डीसी ओपन के सेमीफ़ाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हमवतन फ्रांसिस टियाफ़ो को 7-6(2) 6-4 से हराया। एलेक्स डी मिनौर और कोरेंटिन मौटेट भी सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, जहां उनका आमना सामना होगा। डी मिनौर ने ब्रैंडन नाकाशिमा को 6-4, 6-4 से और मौटेट ने 2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव को 1-6, 6-4, 6-4 से हराया।

महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ

दीक्षा कट में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड)। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रही।

दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। चौबीस साल की दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

एशिया कप 2025 की तारीखों का ऐलान भारत की मेजबानी में होगा टूर्नामेंट

कराची। एशिया कप 2025 का आयोजन भारत की मेजबानी में संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और अबुधाबी में होगा। टूर्नामेंट का आयोजन 9 सितंबर से 28 सितंबर के बीच होगा। हालांकि, शेड्यूल का ऐलान नहीं हुआ है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। मोहसीन नकवी ने एक्स पर कहा, मुझे संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तारीखों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा। हम शानदार क्रिकेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं! विस्तृत शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

टी20 फॉर्मेट में होगा टूर्नामेंट

भारत और श्रीलंका में होने वाले अगले टी20 विश्व कप में अब केवल सात महीने शेष हैं। ऐसे में एशिया कप का आयोजन टी20 प्रारूप में होगा। एशिया कप का पिछला संस्करण 2023 क्रिकेट वर्ल्ड कप से पहले वनडे प्रारूप में खेला गया था, जहां भारत ने मेजबान श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था।

एशिया कप में 8 टीमें लेगी हिस्सा

एशिया कप में 8 टीमें होंगी। भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान भी शामिल होंगी। भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 23 जुलाई को ढाका में होने वाली एसीसी की आम सभा की बैठक से हटने की धमकी दी थी, जिसकी अध्यक्षता एसीसी अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख नकवी ने की।

महिला फुटबॉल टूर्नामेंट

श्रीनगर। रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स 2025 महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में मैच के दौरान गेंद के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए, कॉमरेड फुटबॉल क्लब (नीले रंग में) और वुडलैंड फुटबॉल टीम की खिलाड़ी।

तन्वी और वेन्नाला का शानदार प्रदर्शन कांस्य पदक किया अपने नाम

टूर्नामेंट में पहली बार भारत की दो खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत वर्ग में जीते पदक

एजेंसी ▶▶| सोलो (इंडोनेशिया)

उभरती शटलर तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोटला ने बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के व्यक्तिगत मुकाबलों में कांस्य पदक जीत कर अपने शानदार अभियान का अंत किया। इस प्रतियोगिता में यह पहला अवसर है जबकि भारत की दो खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत वर्ग में पदक जीते।

वेन्नाला ने चीन की लियू के सामने पेश की कड़ी चुनौती

वेन्नाला ने चीन की लियू सी या के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें 37 मिनट तक चले मैच में 15-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में 15-20 से पिछड़ने के बाद तीन मैच प्वाइंट बचाकर वापसी की उम्मीदें जगाईं, लेकिन इसके बाद वह गलती कर बैठी, जिसका फायदा उठाकर लियू ने सीधे गेम में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मौजूदा दौर में बल्लेबाजी करना आसान : पीटरसन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन ने यह दावा करके नई बहस छेड़ दी है कि मौजूदा दौर में बल्लेबाजी 20-25 साल पहले की तुलना में 'काफी आसान' हो गई है क्योंकि टेस्ट खेलने वाले देशों के गेंदबाजी स्तर में गिरावट आई है। पीटरसन की सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी उस समय आई है जब एक दिन पहले ही इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'मुझ पर चिल्लाइए मत, लेकिन आजकल बल्लेबाजी करना 20–25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है। शायद तब बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना मुश्किल था।'

कार्यालय प्राचार्य, पं. ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय, पटना, कोरिया (छ.ग.) E-mail- naveencollege.patna@gmail.com

क्रमांक/210/स्था./अ.व्या.भर्ती/2025 — पटना, दिनांक 26/07/2025
परिशिष्ट 1

अतिथि व्याख्याता हेतु संक्षिप्त विज्ञापन

पं. ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय पटना, जिला- कोरिया (छ.ग.) के सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों के विरूद्ध - भौतिकी, गणित एवं जंतु विज्ञान विषय में अध्यापन व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता, अतिथि शिक्षण सहायक हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 14.08.2025 को सायं 5.00 बजे तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते/स्वयं (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोट:- विस्तृत विज्ञापन महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड एवं महाविद्यालय की वेबसाईट https:// govtcollegepatna.ac.in में अपलोड किया गया है। जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य पं. ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय, पटना जिला-कोरिया (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद दीपका,जिला कोरबा (छ.ग.)
Ph.: 07815 239299,Pin: 495452, e-mail-dipkacmo@rediffmail.com

क्रमांक/1432/निर्माण/न.पा.प./2025 — दीपका, दिनांक 23.07.2025

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

नगर पालिका परिषद, दीपका द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा जारी (भवन) 01.01.2015 एवं (सडक) 01.01.2025 से प्रभावशील दर अनुसूची प्राक्कलन के तकनीकी स्वीकृति अनुसार निर्माण कार्य हेतु मुहर बंद निविदा प्रपत्र पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।
निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक- 07.08.2025 समय 2.00 बजे तक
परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि- 07.08.2025 समय 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि- 14.08.2025 समय 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि- 14.08.2025 समय 4.00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि (कार्यादेश से)
1	वित्तीय वर्ष 2025-26 में लघु निर्माण / मरम्मत कार्य (प्रत्येक कार्य 1.50 लाख रूपये तक) (जोन क्र. 01- वार्ड क्र. 01 से 11 तक) मरम्मत संधारण मद	9.50	9500.00	750 00	अनुबंध दिनांक से 01 वर्ष
2	वित्तीय वर्ष 2025-26 में लघु निर्माण / मरम्मत कार्य (प्रत्येक कार्य 1.50 लाख रूपये तक) (जोन क्र. 02- वार्ड क्र. 12 से 21 तक) मरम्मत संधारण मद	9.50	9500.00	750 00	अनुबंध दिनांक से 01 वर्ष

नियम एवं शर्तेः 1. शर्ते/जानकारी वेबसाईट uad.cg.gov.in / कार्यालयीन अवधी पर निर्माण शाखा से कार्य दिवस/अवधि में देखी जा सकती है।
नगर पालिका के करों का भुगतान समय-सीमा में अवश्य करें

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, दीपका
जिला कोरबा (छ.ग.)

26- JULY- K&C- MAIN- Pg- 10 SARA SANSAR_Layout 1 7/27/2025 12:16 AM Page 1

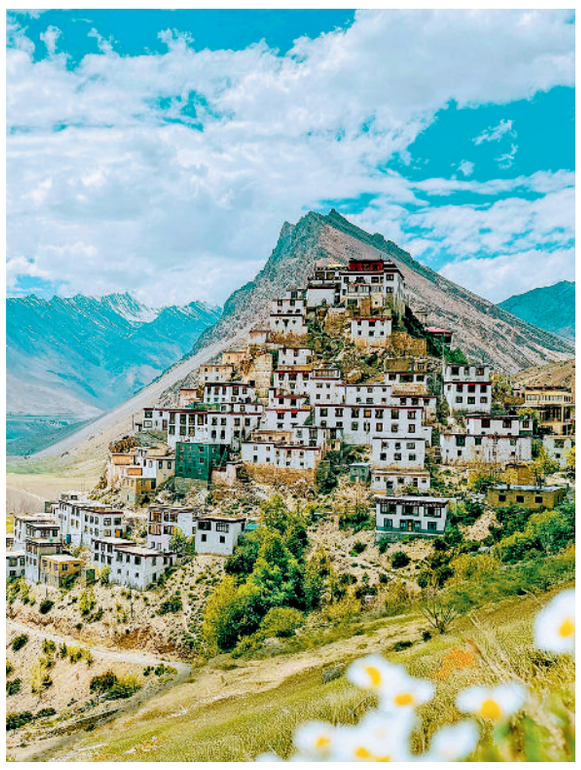

हिमालय की शांत जगहों पर प्राकृतिक सुंदरता और शांति का अनोखा संगम

नई दिल्ली। हिमालय की शांत जगहें उन लोगों के लिए एकदम सही हैं, जो शोरगुल से दूर रहकर सुकून की तलाश करते हैं। ये जगहें प्राकृतिक सुंदरता और शांति का अनोखा संगम प्रस्तुत करती हैं। यहां की ठंडी हवा, हरे-भरे जंगल और बर्फ से ढके पहाड़ मन को शांति देते हैं। अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, जहां आप शांति और सुकून का अनुभव कर सकें तो हिमालय की इन जगहों का रुख करें।

जाने पर मिलेगा सुकून

स्पीति घाटी

स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत माहौल के लिए जाना जाता है। यहां की बर्फ से ढकी पहाड़ियां, नीला आसमान और ठंडी हवा पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं। स्पीति घाटी में आप किन्नौर, लाहुल, पिन घाटी जैसी जगहों का भी आनंद ले सकते हैं। यहां की संस्कृति और जीवनशैली भी बहुत रोचक है, जो इसे और भी खास बनाती है।

जांस्कर घाटी (लद्दाख)

जांस्कर घाटी लद्दाख का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी बर्फ से ढकी पहाड़ियों और नीले पानी वाली झीलों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवा और शांत माहौल पर्यटकों को आकर्षित करता है। जांस्कर घाटी में आप जांस्कर नदी पर बोटिंग का आनंद ले सकते हैं, जिससे आपको आसपास की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद मिलेगा। इसके अलावा यहां के बौद्ध मठ और गांव भी देखने लायक हैं।

चोपता (उत्तराखंड)

चोपता उत्तराखंड का एक खूबसूरत पहाड़ी स्थल है, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' भी कहा जाता है। यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और बर्फ से ढके पहाड़ियों के लिए मशहूर है। चोपता में आप पैदल यात्रा कर सकते हैं, जिससे आपको आसपास की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद मिलेगा। यहां से तुंगनाथ, चंद्रशिला और देवयागिरि जैसी ऊंचाइयों पर जाकर आप हिमालय की ऊंची चोटियों का नजारा देख सकते हैं। यह जगह शांति और सुकून के लिए आदर्श है।

यहां हैं दुनिया के सबसे महंगे होटल के कमरे, एक रात का किराया सुनकर होश हो जाएंगे फाख्ता

नई दिल्ली। होटल तो आपने बहुत देखे होंगे लेकिन कभी ऐसे महंगे होटल देखे हैं जहां एक एक रात के किराए में या तो आप बंगला खरीद लेंगे या फिर अपनी मन पसंद की गाड़ी, बल्कि उसके बाद भी बचाकर आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हम जब भी घूमने के लिए जाते हैं एक होटल की बुकिंग तो जरूर करते हैं और वो भी अपने बजट में जैसे या तो एक कमरा 2000 का कर लिया या फिर ज्यादा से ज्यादा 7 से 8 हजार का कर लिया। शायद आपको जानकर हैरानी होगी, दुनिया में ऐसे कई महंगे होटल भी है, जहां का एक रात का कमरा इतना महंगा है कि सुनकर ही आपकी सांसें ऊपर नीचे होने लगेंगी। लोगों का कहना है ऐसे होटल केवल अमीर लोग ही अफोर्ड कर सकते हैं। अगर आपके इतने एक्सपेंसिव होटल में रुकना चाहते हैं, तो चलिए जानते हैं दुनिया के सबसे महंगे होटलों के बारे में।

जितना किराया उतने में तो खरीद लेंगे बंगला-गाड़ी

द ग्रैंड रियाद, रॉयल मैंसूर माराकेश, मोरोक्को

रॉयल मैंसूर माराकेश अपने गेस्ट का बेहद शाही अंदाज में स्वागत करता है। यह लग्जरी रिसॉर्ट 53 शानदार रियाद्स (मोरक्कन स्टाइल के घर) में बना है। यहां दो फाइव-स्टार रेस्तरां भी हैं, जिन्हें तीन मिशेलिन स्टार वाले शेफ यानिक अलेनो चलाते हैं। होटल का सबसे महंगा कमरा, ग्रैंड रियाद, महल के सबसे निजी हिस्से में है, जिसका किराया करीबन 30,000 अमेरिकी डॉलर प्रति रात (लगभग 25 लाख रु) है। इस रियाद में आपको खुद का प्राइवेट हम्माम (स्टीम बाथ) भी मिलेगा, जहां आप पूरी तरह से रिलैक्स होकर एक बेहद शानदार और शाही माहौल का अनुभव कर सकते हैं।

प्राइवेट आइलैंड, शेवल ब्लांक रैंडहेली रिजॉर्ट, मालदीव

शेवल ब्लांक रैंडहेली रिजॉर्ट बहुत ही लग्जरी और खास रिसॉर्ट है जो छोटे-छोटे आइलैंड्स पर बना है। चारों तरफ से कोरल रीफ से सुरक्षित है। यहां पहुंचने के लिए खास डिजाइन किए गए सीप्लेन में बिठाया जाता है।

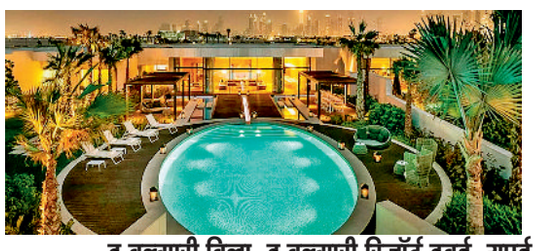

द बुल्गारी विला, द बुल्गारी रिजॉर्ट दुबई, यूएई

ये रिजॉर्ट जुमेराह बे पर बना है, जो देखने में आपको एक समंदर के घोड़े (सीहॉर्स) के आकार का लगेगा। इस शानदार प्रॉपर्टी को एंटोनियो विटेरियो और पेट्रीशिया विएल ने डिजाइन किया है। इसमें 101 रूम्स और सुइट्स हैं, साथ ही 20 बुलगारी विला भी हैं। होटल का सबसे शानदार और महंगा ठिकाना, जिसे 'द बुलगारी विला' कहा जाता है। इसके एक रात का किराया करीबन 35,000 अमेरिकी डॉलर प्रति रात (यानि 30 लाख के आसपास है)।

हिलटॉप विला, कोमो लाउकाला आइलैंड, फिजी

कोमो लाउकाला आइलैंड दुनिया के सबसे एक्सक्लूसिव रिसॉर्ट्स में गिना जाता है। यह जगह नेचुरल जंगलों, मैंग्रोव, बीच और शांति से भरपूर है। यहां की खासियत ये है, खाने-पीने की चीजें और स्पा में इस्तेमाल होने वाली चीजें आइलैंड पर ही उगाई जाती हैं। यहां का सबसे महंगा विला है हिलटॉप विला का एक रात का किराया 50,000 डॉलर। इसमें जिसमें प्राइवेट ड्राइवर, कुक और नैनी की सुविधा भी शामिल है।

द पेंटहाउस सुइट, होटल मार्टिनेज, कांस फ्रांस

होटल मार्टिनेज, जो फ्रेंच रिविएरा पर स्थित है, 1920 के दशक की रॉयल और आर्ट डेको स्टाइल में बना है। इसमें 409 कमरे हैं। यहां के लेपाल्मी डोर नाम के दो मिशलीन स्टार रेस्तरां में फिल्मी थीम वाला डेकोर और स्वादिष्ट खाना मिलता है। नया रेस्तरां ली जॉर्डिन एक रिलैक्स और खूबसूरत माहौल देता है।

धागे जितना पतला और दुनिया का सबसे छोटा सांप 20 साल बाद फिर दिखा

बारबाडोस। दुनिया का सबसे छोटा सांप जिसे वैज्ञानिकों ने विलुप्त मान लिया था, 20 साल बाद फिर से दिखाई दिया। बारबाडोस में ऐसा सांप देखा गया है जो इतना छोटा है कि इसे कीड़ा समझा जा सकता है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे छोटे सांप का नाम बारबाडोस थ्रेडस्नेक है। यह सांप अंतिम बार 20 साल पहले दिखा था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इस प्रजाति के विलुप्त होने की आशंका जताई थी। बारबाडोस के पर्यावरण मंत्रालय और संरक्षण संगठन रीःवाइल्ड द्वारा मार्च में किए गए एक ईको सर्वेक्षण में द्वीप के मध्य में एक चट्टान के नीचे पुनः यह सांप खोजा गया।

धागे जितना पतला और सिर्फ 10 सेमी तक लंबा : यह छोटा सा सांप पूरी तरह विकसित होने पर भी सिर्फ 10 सेमी तक लंबा हो सकता है और किसी धागे जितना पतला होता है। यह उन 4,800 पौधों, जानवरों और कवक प्रजातियों की वैश्विक सूची में शामिल था, जो लुप्त हो चुकी हैं। इस सांप की दुर्लभता वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय है।

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
डायलिसीस
- सीआरएफ एवं एआरएफ के मरीजों की अत्याधुनिक फ्रेसिनियस की डायलिसीस मशीन द्वारा
- हिमोडायलिसीस
- पेरीटोनियल डायलिसीस
- सीएपीडी
- बच्चों की किडनी की बामारियों का ईलाज

24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
डॉ. विकास गोयल
MD, DM, Hematology & Hemato-Oncology
डॉ. अनिकेत ठोके
MD, DNB, Chemotherapy Specialist
बोन मैरो ट्रांसप्लांट, कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, व पैलिएटिव केयर हेतु कुशल टीम
डॉ. सिद्धार्थ तुरकर
MD, DM, Medical Oncology
डॉ. अविनाश तिवारी
MD, Pain and Palliative Medicine Specialist
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 0771 4081010

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में
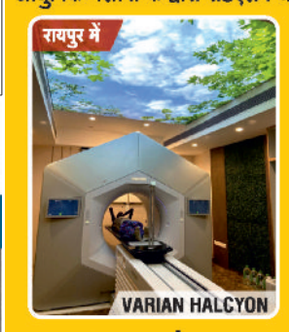
VARIAN HALCYON
मिलाई में

VARIAN UNIQUE
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
● रेडियो थैरेपी ● कीमोथेरेपी ● कैंसर सर्जरी ● मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440
Deepak Ad./101

भारत में पाए जाते हैं भूरे-काले और नीले भालू, शहद के सभी होते हैं शौकीन

नई दिल्ली। भारत में भालू की लगभग पांच प्रजातियां पाई जाती हैं, जो मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाती हैं। ये सभी प्रजातियां अलग-अलग आकार और रंग में आती हैं। भालू की प्रजातियां आमतौर पर अपने बड़े आकार के लिए जानी जाती हैं, लेकिन उनके जीवन में कई बदलाव होते हैं। आइए आज इन भालू के बारे में विस्तार से जानते हैं। स्लॉथ भालू भारत में पाए जाने वाले छोटे भालू हैं। ये आमतौर पर भारत के दक्षिणी हिस्से में रहते हैं। इनका वजन लगभग 100 किलो तक होता है और ये लगभग 5 फीट लंबे होते हैं। स्लॉथ भालू की खासियत है कि ये ज्यादातर मधुमक्खियों के छत्ते से शहद खाते हैं। तिब्बती नीले भालू भारत के उत्तरी हिस्से में रहते हैं। इनका वजन लगभग 400 किलो तक होता है और ये लगभग 8 फीट लंबे होते हैं। तिब्बती नीले भालू की खासियत है कि इनके शरीर पर नीले रंग की फर होती है, जो इन्हें अन्य भालुओं से अलग पहचान देती है। इनका शरीर मजबूत होता है, जिससे ये शिकार करने में सक्षम होते हैं। एशियाई काले भालू भारत के उत्तरी हिस्से में रहते हैं। इनका वजन लगभग 150 किलो तक होता है और ये लगभग 6 फीट लंबे होते हैं। एशियाई काले भालू की खासियत है कि इनके गले पर सफेद रंग की धारियां होती हैं, जो इन्हें अन्य भालुओं से अलग पहचान देती हैं। इनके वजन हल्के होते हैं और ये पेड़ों पर चढ़कर फल खाते हैं। हिमालयी भूरे भालू भारत के उत्तरी हिस्से में रहते हैं। इनका वजन लगभग 300 किलो तक होता है और ये लगभग 7 फीट लंबे होते हैं।

टाइटैनिक फिल्म में इस्तेमाल हुई नाव होने वाली है नीलाम, लाखों में लग सकती है कीमत

लॉस एंजिल्स। आज भी 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'टाइटैनिक' को देखकर लोगों की आखें नम हो जाती हैं। यह फिल्म 14 अप्रैल 1912 की काली रात पर आधारित है, जब टाइटैनिक जहाज डूब गया था और उसमें सवार 1,496 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अब करीब 27 साल बाद इस फिल्म में इस्तेमाल हुई एक लाइफबोट यानि नाव की नीलामी होने जा रही है। आइए इसके विषय में विस्तार से जानते हैं। इस अनोखी नाव की नीलामी अमेरिका के प्रॉपस्टोर ऑक्शन्स नामक नीलामीघर द्वारा आयोजित करवाई जा रही है। यह 'मनोरंजन से जुड़ी यादगार वस्तुओं की नीलामी' का हिस्सा रहेगी, जिसके लिए लोग ऑनलाइन बोली लगा सकेंगे। यह नीलामी 24 जुलाई तक चलने वाली है और इच्छुक लोग इसके लिए वर्तमान में बोली लगा सकते हैं। नीलामीघर का अनुमान है कि यह नाव करीब 6 लाख से लेकर 13 लाख रुपये के बीच बिक सकती है। यह नाव लकड़ी से बनी है और इसे सफेद पेंट से रंगा गया है। इसके ऊपरी हिस्से पर सजावट के लिए भूरा रंग किया गया है। खास तौर से फिल्म के लिए बनाई गई इस नाव के किनारों पर छल्लों के जरिए रस्सी बांधी गई है और आगे और पीछे धातु से बने स्टार लाइन के लाल झंडे वाले लोगो लगे हैं।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
राइनोप्लास्टी

नाक को सही (रिशेपिंग) करना
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद
आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!
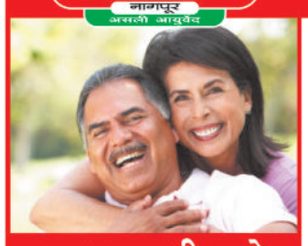
श्रीमती साक्षी भंडारी, रायपुर
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. **बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय)** 1–1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। **बैद्यनाथ कासविन** 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व **बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण** आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री अशोककुमार जयस्वाल, धमतरी
प्र. मेरी आयु 60 वर्ष है। मुझे 5 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।
उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का परेहज करें। **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स्** 1–1 चम्मच सुबह–शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

श्री मनोज राठी, राजनांदगांव
प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. **बैद्यनाथ प्रोस्ट–एड टॅबलेट** 1–1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

श्री रविकांत जांगीड, भिलाई
प्र. मुझे चार साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।
उ. **बैद्यनाथ सिड्पाईल्स** 2–2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। **बैद्यनाथ अभयामृत** 2–2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य
बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतू सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 I www.baidyanath.co

बैद्यनाथ असली आयुर्वेद
स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
अर्जुनामृत

- अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
- बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
- अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।
A.U.41270/09/25/283

Blend of 8 Effective Ayurvedic Oils
Dr. Juneja's डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA
NO.1 BRAND INDIA 2014
ज्योतिष्मती तेल
रक्त संचारण में सुधार कर जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक है।
गन्धपुरा तेल
जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और गठिया में सहायक।
निर्गुण्डी तेल
नसों के दर्द और जोड़ों की ऐंठन में फायदेमंद है।
चीड़ तेल
मांसपेशियों व सम्पूर्ण जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।
पुदीना तेल
इसके ठंडक देने वाले गुण दर्द एवं सूजन को शांत करते है।
कपूर तेल
जोड़ों में अकड़न एवं दर्द कम करने में उपयोगी।
तिल तेल
मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द एवं सूजन के लिए लाभकारी।
अलसी तेल
जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन कम करने में सहायक है।
Helpful in Painful Conditions
Dr. Ortho Oil
An Ayurvedic Proprietary Medicine
20% EXTRA
100ml+20ml Extra
Knee Pain
Back Pain
Shoulder Pain
Wrist Pain
8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक तेलों का यह मिश्रण उपयोग करने में सुरक्षित है। इसे खुले जख्मों पर न लगाएं। मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
24x7 Helpline: 7876977777
www.drorthooil.com
UIN-A02-AY-FB-2025

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com